संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 349
पृष्ठ 8
मंगलवार
10 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बच्चे के पेट में हो गए...

विचार- विश्रवा के जन्म का गूढ़ार्थ...

खेल- दिग्गज कंपनी वोक्सवैगन पहली...

योगी आदित्यनाथ ने किया लिक्ली नोएडा का अनावरण, बोले-

यूपी ने किया विकास और निवेश के नए युग में प्रवेश

नोएडा, एजेंसी। इंग्का समूह के (आइकिया रिटेल और इंग्का इन्वेस्टमेंट्स) लिक्ली का अनावरण प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इस मौके पर औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, स्वीडन के राजदूत जान थेसलेफ, इंग्का सेंटर्स के वैश्विक विस्तार और विकास निदेशक सेबेस्टियन हाइल्विंग और आइकिया इंडिया की सीईओ और मुख्य सस्टेनेबिलिटी अधिकारी सुजैन पुलवर उपस्थित रहे। लखनऊ से सीएम योगी आदित्यनाथ वर्चुअल जुड़े। उन्होंने कहा नोएडा में लिक्ली का उद्घाटन उत्तर प्रदेश को आधुनिक शहरी जीवन का केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना न केवल नोएडा की संपन्नता की वृद्धि और विकास को दर्शाती है, बल्कि पूरे राज्य में सस्टेनेबल, समुदाय–केंद्रित स्थान बनाने के हमारे दृष्टिकोण से भी मेल खाती है। मुझे विश्वास है कि यह ऐसा प्रमुख गंतव्य बनेगा, जो हमारे नागरिकों की समृद्धि और खुशहाली में योगदान देगा। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि यह ऐसा प्रमुख गंतव्य बनेगा, जो हमारे नागरिकों की समृद्धि और खुशहाली में

योगदान देगा। हृदय से धन्यवाद निवेश के लिए ये एक अत्यंत प्रसन्नता का छड़ है। हमने निवेशों के विश्वास को अर्जित किया। आइकिया इंडिया उन्हीं निवेशकों में से एक। आइकिया रिटेल स्टोर और ऑफिस स्टोर सहित एक शॉपिंग सेंटर का प्रस्ताव भी है। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने औद्योगिक विकास नीति को बनाया। च्ड मोदी ने उस समय मार्गदर्शन किया और कहा इन्वेस्टमेंट एम्प्लॉयमेंट के साथ जुड़ना चाहिए। नए रोजगार की संभावना प्राप्त होगी। उत्तर प्रदेश आबादी का सबसे बड़ा राज्य है। अर्थ व्यवस्था 9. 2 का योगदान दे रहा है। आज का निवेश पीएम मोदी की मंशा के अनुरूप है। यूपी देश की एक सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में स्थापित करने में मददगार होगा। यूपी पिछले 7 वर्ष के अंदर विकास और निवेश के एक नए युग में प्रवेश किया। 7 वर्षों में इन्फ्रास्ट्रक्चर के नए डेवलपमेंट के लिए, युवकों के स्किल डेवलपमेंट के लिए। यूपी के अंदर बेहतरीन कानून व्यवस्था, ईज ऑफ डूइंग, इन्वेस्टमेंट के लिए डेस्टिनेशन के रूप में सामने आया है। उन्होंने कहा कि भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट भी यहीं है। अन लिमिटेड पोटेंशियली का प्रदेश है। 5,500 करोड़ (लगभग 607 मिलियन यूरो) के कुल निवेश के साथ, लिक्ली नोएडा में निवेश कर रहा है। इससे करीब 9,000 से अधिक नौकरियां मिलेंगी। प्राधिकरण ने 21 अक्टूबर 2019 को कॉमर्शियल बिल्डर प्लॉट योजना के तहत वाणिज्यिक भूखण्ड संख्या ई1, सेक्टर–51

● 7 साल में विकास और निवेश के नए युग में यूपी

● 5500 करोड़ का निवेश, 9 हजार नौकरी

में 47833.77 वर्ग मीटर का आवंटन किया गया। इस प्रकार इस भूखंड के आवंटन से प्राधिकरण को कुल 850 करोड़ रुपए के राजस्व मिला। पांच साल की अवधि में पूरा करना होगा। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता ने कहा, हम बड़ी प्रसन्नता से इंग्का सेंटर्स और आइकिया का यूपी में स्वागत करते हैं। लिक्ली उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए अपने जीवन का आनन्द लेने, काम करने, खरीदारी करने और मिलने जुलने के लिए एक अनूठा गंतव्य होगा। उत्तर–प्रदेश की निवेशक–अनुकूल नीतियां इस परियोजना को अपनी पूरी क्षमता से साकार होने और राज्य को लाभान्वित करने में मदद करेंगी। इस मौके पर उन्होंने नोएडा और ग्रेटर नोएडा की तमाम परियोजना जिसमें जेवर एयरपोर्ट का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आगाज तो सभी अच्छा करते है। लेकिन हम काम को अंजाम तक पहुंचाना जानते है। लिक्ली नोएडा 47,833 वर्ग मीटर में बनेगा। दिल्ली–एनसीआर की सबसे बड़ी रिटेल परियोजनाओं में से एक होगा। यह मीटिंग–प्लेस, नोएडा और दिल्ली एनसीआर में एक प्रमुख स्थल बनने के लिए तैयार है। आधुनिक शहरी निवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए रिटेल, फूड कोर्ट, आतिथ्य, सह–कार्य स्थान, मनोरंजन और सांस्कृतिक अनुभवों का मिश्रण प्रदान करेगा। इससे 25 मिलियन से अधिक आगंतुकों के आकर्षित होने की उम्मीद है। यह बिल्डिंग पर्यावरण के अनुकूल होगी और पूरी बिल्डिंग के लिए स्म्क प्लेटिनम सर्टिफिकेट और ऑफिस के लिए WELL गोल्ड सर्टिफिकेट लिया जाएगा। इसका अर्थ यह होगा कि यह एक ऊर्जा–कुशल बिल्डिंग होगी जो नवीकरणीय ऊर्जा का अधिकतम उपयोग करेगी। 100 प्रतिशत रिसाइकिल वॉटर का प्रयोग कर सकेगी। लैंडफिल में शून्य कचरा भेजेगी। 2 मेट्रो स्टेशनों से सीधा कनेक्शन और 4500 पार्किंग स्लॉट्स के साथ 70 से अधिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की व्यवस्था होगी।

आरएसएस के विपरीत, विचारों की बहुलता को मानती है कांग्रेस : राहुल

डलास, एजेंसी। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर निशाना साधा और कहा कि जहां "उनका मानना है कि भारत एक विचार है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का मानना है कि भारत विचारों की बहुलता वाला देश है।" डलास में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए श्री गांधी ने कहा, "हमारा मानना है कि हर किसी को सपने देखने की अनुमति दी जानी चाहिए और उनकी जाति, भाषा, धर्म, परंपरा या इतिहास की परवाह किए बिना उन्हें भाग लेने की अनुमति एवं स्थान दिया जाना चाहिए।" उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि 2024 का आम चुनाव भाजपा के लिए एक बड़ा झटका था साथ ही कहा , "हमने देखा कि चुनाव परिणाम के कुछ ही मिनटों के भीतर, भारत में कोई भी भाजपा या भारत के प्रधान मंत्री से नहीं डरता था। इसलिए ये बहुत बड़ी उपलब्धियां हैं, राहुल गांधी या कांग्रेस पार्टी की नहीं।" उन्होंने आगे कहा, "ये भारत के लोगों की बहुत बड़ी उपलब्धियाँ हैं जिन्होंने लोकतंत्र को महसूस किया, भारत के लोगों की जिन्होंने महसूस किया कि

हम अपने संविधान पर हमले को स्वीकार नहीं करेंगे। हम अपने धर्म, अपने राज्य पर हमले को स्वीकार नहीं करने जा रहे हैं।" श्री गांधी ने कहा कि चुनाव में लड़ाई उसी समय साफ हो गयी थी, जब भारत के लाखों लोगों ने स्पष्ट रूप से समझ लिया कि प्रधानमंत्री मोदी संविधान पर हमला कर रहे हैं। रायबरेली के सांसद ने कहा, "मैंने जो एक–एक शब्द आपसे कहा है, वह संविधान में है। आधुनिक भारत की नींव संविधान है। चुनाव में लोगों ने जो स्पष्ट रूप से समझा और मैंने देखा कि जब मैं संविधान उठाता था, तब लोगों ने समझा कि मै क्या कह रहा था।" वे कह रहे थे कि भाजपा हमारी परंपरा पर हमला कर रही है, हमारी भाषा पर हमला कर रही है, हमारे राज्यों पर हमला कर रही है, हमारे इतिहास पर हमला कर रही है।अ श्री गांधी ने कहा "संसद में मेरे पहले भाषण में, जब मैंने श्अभय मुद्राश का वर्णन किया तो आपने देखा होगा कि यह निर्भयता का प्रतीक है और यह हर एक भारतीय धर्म में मौजूद है। जब मैं यह कह रहा था, तो भाजपा इसे स्वीकार नहीं कर सकी। वे नहीं समझते हैं, और हम उन्हें समझाने जा रहे हैं।श भारतीय प्रवासियों की सराहना करते हुए श्री गांधी ने कहा, "आप वे लोग हैं जो भारत से आए हैं, और जिन मूल्यों का मैं वर्णन कर रहा हूं – संविधान के मूल्य, सम्मान के मूल्य, विनम्रता के मूल्य – आप अपने दिलों में रखते हैं, वे आपके अंदर रक्त में हैं। जब आप इस देश में आए, तो आप अहंकार के साथ नहीं, बल्कि विनम्रता के साथ आए।

यूट्यूब देखकर सर्जरी कर रहा था डॉक्टर, 15 वर्षीय मरीज की हुई मौत, बिहार के छपरा में सनसनीखेज मामला

छपरा, एजेंसी। बिहार के सारण जिले के छपरा शहर से सामने आई एक चौंकाने वाली घटना में, एक 15 वर्षीय लड़के की यूट्यूब वीडियो देखकर एक डॉक्टर द्वारा किडनी स्टोन की सर्जरी करने के बाद मौत हो गई। मृतक लड़के के दादा ने एक वीडियो में दावा किया है कि लड़के की सर्जरी करते समय डॉक्टर एक यूट्यूब वीडियो देख रहे थे और उसकी नकल कर रहे थे। लड़के के दादा प्रल्हाद प्रसाद शाह बताया ने यह भी कहा कि जब उन्होंने डॉक्टर को बताया कि सर्जरी के बाद लड़के के पेट में असहनीय दर्द हो रहा है तो डॉक्टर ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया। दादा ने बताया कि डॉक्टर ने यूट्यूब पर एक वीडियो देखकर सर्जरी की। उन्होंने यह भी कहा कि जब डॉक्टर से उन्होंने पूछा कि वह सर्जरी करते समय वीडियो क्यों देख रहे थे तो वह उन पर चिल्ला पड़े। इतना ही नहीं, परिवार ने यह भी आरोप लगाया है कि पेट दर्द और उल्टी की शिकायत के बाद वे लड़के (गोलू शाह) को पास के नर्सिंग होम में डॉक्टर के पास ले गए। परिवार ने आपातकालीन दवा मांगी लेकिन डॉक्टर ने जबरदस्ती लड़के की सर्जरी कर दी। इस मामले को स्थानीय और क्षेत्रीय मीडिया ने भी कवर किया था जहां नकली डॉक्टरों का खतरा एक वास्तविक समस्या के रूप में सामने आया था। उस व्यक्ति ने दावा किया कि पेट में दर्द की शिकायत करने के बाद वे लड़के को तुरंत पटना ले गए। दुर्भाग्यवश, लड़का बच नहीं सका और मर गया। लड़के के दादा ने यह भी कहा कि उनकी पत्नी 15 वर्षीय लड़के के शव के साथ अकेली थी और किसी तरह लड़के के शव को वापस लाने के लिए एक वाहन प्राप्त करने में कामयाब रही।

दिल्ली में पटाखों के उत्पादन,भंडारण, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध रहेगा : गोपाल राय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने सर्दियों के मौसम में वायु प्रदूषण बढ़ने की आशंकाओं के मद्देनजर सभी प्रकार के पटाखों के उत्पादन, भंडारण, बिक्री और उनके इस्तेमाल पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पटाखों के पूर्ण प्रतिबन्ध के बारे में आज बताया कि दिल्ली में सर्दियों के मौसम में वायु प्रदूषण बढ़ने का खतरा रहता है। इस मौसम में पटाखों को जलाने से भी प्रदूषण बढ़ता है।ऐसी स्थिति को देखते हुए पिछले साल की तरह इस बार भी हर

प्रकार के पटाखों के उत्पादन , भंडारण, बिक्री एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा रहा है। किसी भी तरह के पटाखों की ऑनलाइन डिलीवरी या बिक्री पर भी पूर्ण प्रतिबन्ध रहेगा। पटाखों को लेकर लोगो में किसी भी तरह का संशय न रहें, इसलिए यह प्रतिबन्ध हर तरह के पटाखों के लिए मान्य है द्य यह प्रतिबंध एक जनवरी 2025 तक दिल्ली में लागू रहेगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार नहीं चाहती है कि व्यापारियों और डीलरों को किसी भी तरह का आर्थिक नुकसान हो। ऐसी किसी भी स्थिति से बचने के लिए समय रहते हर प्रकार के पटाखों के उत्पादन , भंडारण, बिक्री और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। प्रतिबंध को कड़ाई से दिल्ली में लागू कराने के लिए दिल्ली पुलिस , डीपीसीसी और राजस्व विभाग के साथ मिलकर संयुक्त कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

हरियाणा चुनावः रणदीप सुरजेवाला का दावा

प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में आएगी कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा चुनाव को लेकर प्रचार तेज होता दिखाई दे रहा है। कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने हरियाणा के कैथल में एक रैली को संबोधित करने के बाद कहा कि पार्टी भारी बहुमत के साथ राज्य की सत्ता में आएगी। वहीं पत्रकारों से बातचीत में सुरजेवाला ने कैथल में अधूरे पड़े विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर वे इस मामले को लेकर सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ जांच कराएंगे। सुरजेवाला ने बीजेपी की राज्य सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि वे 10 साल में सिर्फ 10 कमरे बना सके लेकिन कांग्रेस यूनिवर्सिटी और मेडिकल कॉलेज का निर्माण दो से ढाई साल में पूरा कर देगी। उन्होंने आगे इस बात पर

जोर दिया कि कांग्रेस सरकार सिर्फ एक साल में कैथल के अतीत के गौरव को बहाल करेगी। उन्होंने कहा कि इस शहर (कैथल) में जब निर्णय लिया गया कि यहां एक यूनिवर्सिटी और मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा, तो मैं कह सकता हूं कि एक बार लोगों के आशीर्वाद से कांग्रेस की सरकार बन जाएगी, तो सबसे पहला काम हम करेंगे कि हम सभी को इकट्ठा करेंगे दस्तावेज तैयार करें और प्राथमिकता के साथ जांच करें। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि वे 10 साल में केवल 10 कमरे बना सके, लेकिन मुझे विश्वास है कि हम 2–2.5 साल के भीतर मेडिकल कॉलेज का निर्माण कर देंगे।

कानपुर में कालिंदी एक्सप्रेस को बेपटरी करने का प्रयास, एटीएस अलर्ट

कानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कानपुर जिले के शिवराजपुर क्षेत्र में बीती रात कानपुर अनवरगंज से भिवानी जा रही 14117 कालिंदी एक्सप्रेस को बेपटरी करने का प्रयास किया गया लेकिन चालक की सतर्कता से हादसा टल गया। आतंकवादी निरोधक दस्ते (एटीएस) के पुलिस महानिरीक्षक नीलाब्जा चौधरी ने सोमवार को घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और कहा कि ट्रेन को डिरेल करने का प्रयास किया गया। सुरक्षा एजेंसियां हर पहलू को देख रही हैं। जांच करने के बाद ही इस बारे में स्पष्ट तौर पर बताया जा सकेगा।

हरियाणा चुनावः

केजरीवाल की पार्टी ने जारी किए 20 उम्मीदवारों के नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन की बातचीत के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने सोमवार को 20 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस हरियाणा में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए गठबंधन नहीं करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस आप को राज्यों में तीन से ज्यादा सीटें देने को तैयार नहीं थी, जबकि आप ने दोहरे अंकों में सीटों की मांग की थी। आप हरियाणा प्रमुख सुशील गुप्ता ने कहा कि हमने पहली सूची जारी कर दी है और जल्द ही आपको दूसरी सूची मिल जाएगी। अब चुनाव में बहुत कम समय बचा है। हमने ईमानदारी से (गठबंधन का)

इंतजार किया क्योंकि हर विधानसभा में संगठन मजबूत है और वह मजबूत संगठन चाहता था कि हम चुनाव लड़ें। हमने अपना धैर्य दिखाया और उसके बाद, हमने अपनी सूची जारी की। हम इंडिया अलायंस के भागीदार थे। हम राष्ट्रीय स्तर पर इंडिया अलायंस के भागीदार हैं।

गजल संग्रह `एक हिस्से में चाँद को रक्खा' का लोकार्पण समारोह संपन्न

प्रयागराज। और कवयित्री संगीता श्रीवास्तव श्सुमनश के देवनागरी में प्रकाशित उर्दू गजल संग्रह ष्एक हिस्से में चाँद को रक्खाश्श का गरिमामय दो सत्रीय विमोचन कार्यक्रम 8 सितम्बर, रविवार को अपराह्न 3 बजे हिन्दुस्तानी अकादमी में संपन्न हुआ।यह कार्यक्रम उर्दू हिन्दी संगम और साहित्यांजलि प्रज्योदि के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ था। आयोजन के प्रथम सत्र की अध्यक्षता प्रोफेसर कल्पना वर्मा ने और द्वितीय सत्र की अध्यक्षता उर्दू के वरिष्ठ शायर जनाब अनवार अब्बास नकवी ने की,मुख्य अतिथि आकाशवाणी के पूर्व निदेशक श्री लोकेश शुक्ल जी और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सविता श्रीवास्तव और लोक रंजन पाण्डेय रहे। कार्यक्रम का संचालन उमेश श्रीवास्तव ने तथा स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ०प्रदीप चित्रांशी ने।कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्जवलन और माँ सरस्वती वंदना से हुआ। गजल संग्रह ष एक हिस्से में चांद को रक्खा है ष्का लोकार्पण गणमान्य मंचासीन अतिथियों के कर कमलों द्वारा किया गया।

परिचर्चा करते हुए प्रथम सत्र की अध्यक्षता कर रही प्रोफेसर कल्पना वर्मा ने संगीता सुमन को बधाई दी और कहा कि भारत में जन्मी सारी भाषायें भारत की हैंसभी भाषाओं ने अपने अपने साहित्य के द्वारा राष्ट्र निर्माण और समाज के दिशा निर्देशन का कार्य किया है,यह संग्रह भी उसी श्रंखला की एक कड़ी है। द्वितीय सत्र के अध्यक्ष जनाब अनवार अब्बास नकघ्वी ने कहा कि भारत विश्व का इकलौता ऐसा देश है जो अनगिनत भाषाओं का जन्म स्थान है। भाषाओं का संबंध बोलने और लिखने वालों से होता यह बात देवनागरी में प्रकाशित संगीता सुमन के उर्दू गजल संग्रह से स्पष्ट है।मुख्य अतिथि श्री लोकेश शुक्ल जी ने संग्रह की सराहना की और कहा कि यह संग्रह साहित्य में अपना स्थान प्राप्त करेगा। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर सविता श्रीवास्तव ने परिचर्चा में कहा कि इस संग्रह में संगीता सुमन ने उर्दू के साथ साथ हिन्दी और अंग्रेजी भाषा के शब्दों का बहुत सटीक प्रयोग किया है,उनका यह संग्रह मिली जुली भाषा बोलने वाले पाठकों को भी आकर्षित करेगा। लोक रंजन प्रकाशन के निदेशक श्री रंजन पाण्डेय ने संगीता सुमन को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने बहुत से गम्भीर विषयों,समस्याओं और मुद्दों को अपनी रचना में समेटा है। दोहा सम्राट डाक्टर प्रदीप चित्रांशी जी ने कहा की संगीता सुमन का संग्रह गंगा जमुनी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है,वह बधाई की पात्र हैं।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में मुशायरा एवं कवि सम्मलेन के आयोजन की अध्यक्षता वरिष्ठ और उस्ताद शायर जनाब अनवार अब्बास नकघ्वी ने की जिस में सर्व प्रथम संगीता सुमन को विशेष तौर से सुना और सराहा गया। जनाब जावेद शोहरत,डा.प्रदीप चित्रांशी,अखघ्तर अजीज,एस पी श्रीवास्तव,सुनैना,रुस्तम इलाहाबादी,प्रोफेसर कल्पना वर्मा,प्रियंका त्रिपाठी,राजीव नसीब,प्रोफेसर सविता श्रीवास्तव,शाहिद इलाहाबादी, जलाल फूलपूरी,सुस्मिता सिंह, शाहिद सफर,केशव सक्सेना निलिमा शर्मा,नवाब जाफर, सविता उपाध्याय,आदि मुशायरा कवि सम्मेलन में सम्मिलित हुए। समाज सेवी शाहिद अस्करी,कैप्टन मेहदी नकघ्वी,सय्यद सुलेमान,वजीर खघन,कामरेड खघलिद ,सुरेश श्रीवास्तव आदिक श्रोतागण कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सफेद जर्सी में पहली बार जलवा बिखेरेंगे यश दयाल, चयन होने पर जमकर आतिशबाजी

प्रयागराज। संगमनगरी के लाल बाएं हाथ के मीडियम पेसर यश दयाल का चयन बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए हुआ है। बीसीसीआई ने 16 सदस्यीय टीम का एलान रविवार को किया। दिलीप ट्रॉफी में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले यश को टेस्ट टीम में जगह दी गई है। यश पहली बार सफेद जर्सी में अपनी गेंदबाजी का जलवा बिखेरने उतरेंगे। उनके चयन से परिजनों में खुशी की लहर है। समर्थकों ने घर पर जमकर आतिशबाजी की। दलीप ट्रॉफी में इंडिया टीम बी की ओर से खेलते हुए यश ने चार विकेट चटकाए थे और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। चकिया स्थित करबला निवासी यश दयाल 19 सितंबर से शुरू होने वाली सीरीज में बांग्लादेश के खिलाफ भारतीय टीम का हिस्सा होंगे। पहले टेस्ट के लिए उनका चयन किया गया है। टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के नेतृत्व में खेलते हुए नजर आएंगे। यश के चयन की जानकारी माता–पिता को हुई तो वह भावुक हो गए। पिता के आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। घर के बाहर पटाखे फोड़े गए और मिठाइयां बांटीं गईं। पिता चंद्रपाल यादव बेटे से फोन पर बात करते वक्त बेहद भावुक हो गए। मां राधा दयाल की भी आंखें नम हो गईं। उन्होंने कहा कि बेटे ने मेहनत के बल पर मुकाम हासिल किया है और जिले का नाम देश भर में रोशन किया है। पिता का कहना है कि उन्हें पूरी उम्मीद थी कि इस सीरीज के लिए उनके बेटे का चयन टीम इंडिया में जरूर होगा। उसने दिलीप ट्रॉफी में भी टीम को जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। यश को दिलीप ट्रॉफी में बेहतरीन गेंदबाजी का फायदा मिला है। इंडिया बी के लिए खेलते हुए पहली पारी में उन्होंने एक और दूसरी पारी में तीन विकेट लिए थे। उनकी गेंदबाजी की बदौलत ही इंडिया बी ने इंडिया ए को 76 रनों से हराया। मीडियम पेसर की स्विंग के आगे विरोधी पस्त हो गए। इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने टी–20 विश्व कप के लिए यश दयाल को अपनी टीम में चुनकर सभी को चौंका दिया था। उन्होंने इस युवा गेंदबाज की तारीफ भी की थी। यश दयाल ने प्रथम श्रेणी में 26 मैच खेले हैं। उन्होंने अब तक 76 विकेट चटकाए हैं। इसमें एक बार उन्होंने पांच विकेट और पांच बार चार विकेट लिए हैं। लिस्ट ए में उन्होंने कुल 20 मैचों में 32 विकेट लिए हैं। वहीं, 56 टी–20 (आईपीएल) मैच में उन्होंने 53 विकेट हासिल किए हैं। वर्तमान में वह रॉयल चौलेंजर्स बंगलूरू का हिस्सा हैं। यश दयाल टीम इंडिया से खेलने वाले संगमनगरी के चौथे क्रिकेटर होंगे। उनसे पहले टीम इंडिया के लिए मोहम्मद कैफ, ज्ञानेंद्र पांडेय और ज्योति यादव खेल चुके हैं। यश दयाल का चयन टीम इंडिया में पिछले साल नवंबर में भी हुआ था। तब उनका चयन बांग्लादेश के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए हुआ था। लेकिन चोटिल होने की वजह से अंतिम समय में उन्हें बाहर कर दिया गया। आईपीएल के 16वें सीजन में गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले में रिंकू सिंह ने यश दयाल के एक ओवर में पांच छक्के जड़े थे। जिसके बाद उनके कॅरिअर पर आलोचकों ने सवाल उठाए थे। वह कुछ दिनों तक डिप्रेशन में चले गए थे। उसके बाद वापसी करते हुए यश ने आईपीएल के 17वें सीजन में आरसीबी की ओर से खेलते हुए 14 मैचों में 15 विकेट लिए थे और टीम को प्लेऑफ में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। एक पिता के लिए इससे बेहतर दिन नहीं हो सकता है। मैं अपनी खुशी व्यक्त नहीं कर सकता। यह सपना उस दिन का है जब मेरे बच्चे ने पहली बार हाथ में बल्ला थामा था।

मेरे पास इतने फोन आ रहे हैं कि मैं सभी की बधाई स्वीकार नहीं कर पा रहा हूं। –चंद्रपाल दयाल, यश के पिता मैं कई वर्षों से प्रार्थना कर रही थी कि मेरा बेटा टीम इंडिया के लिए मैच खेले। भगवान ने मेरी सुन ली। मैं आज कितनी खुश हूं भी नहीं सकती हूं। मेरे भाई ने कहा था जल्द अच्छी खबर दूंगा। इससे अच्छी खबर कुछ भी नहीं हो सकती है। मेरा पूरा परिवार बेहद प्रसन्न है। हम सब मैच देखने जाएंगे।

पेन क्लीनिक में मरीजों को बुलाकर कर रहे इलाज

प्रयागराज। एक तरफ जहां अस्पतालों की ओपीडी में कुछ डॉक्टर बैठने से कतराते हैं तो वहीं एसआरएन अस्पताल के पीएमएसवाई बिल्डिंग में संचालित पेन क्लीनिक में ओपीडी के डॉक्टर मरीजों को बुलाने के लिए प्रचार–प्रसार कर रहे हैं। इस बारे में आम जागरूकता के लिए डॉक्टरों ने अस्पताल के वेटिंग हॉल व अस्पताल परिसर में बकायदा बैनर पोस्टर भी चिपकाएं हैं। मरीजों के हित में यह सकारात्मक पहल पीएमएसवाई बिल्डिंग के कक्ष नंबर सात में संचालित ओपीडी एनस्थेसियोलॉजी एवं क्रिटिकल विभाग यानी पेन क्लीनिक की ओर से किया गया है। डॉ. वैभव ने बताया कि पेन क्लीनिक की ओपीडी पहली बार 2018–19 में शुरू की गयी थी। उसके बाद कोराना काल के बाद से बंद कर दी गयी थी।

आठ कोच की होगी आगरा वंदे भारत

प्रगयाराज। आगरा से वाराणसी के बीच दिवाली के आसपास प्रस्तावित वंदे भारत में आठ कोच होंगे। इस ट्रेन के सभी कोच में रेल कवच इंस्टॉल होगा। रेलवे बोर्ड ने रेक आवंटन का पत्र जारी कर दिया है। पत्र में एनसीआर की इस ट्रेन में आठ रेक होने की बात कही गई है। इस ट्रेन का रेक दोनों ओर एक ही होगा। यानी आगरा कैंट से जो रैक चलेगा वही वाराणसी की ओर चलने पर भी होगा। जारी पत्र में वंदे भारत के रेक 2.0 बताए गए हैं। यह अति आरामदाय होंगे, जिसमें मुसाफिरों को हवाई जहाज जैसा आराम मिलेगा। रेक आवंटन के बाद अब गति ट्रायल का काम कराना है। काशी तक चलने वाली इस ट्रेन का रंग भगवा होने की उम्मीद है। ट्रेन के रेक की खासियत होगी कि हवा रोगाणु मुक्त होगी। हर कोच में 32 यात्री सूचना सिस्टम होगा। सीपीआरओ शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि कोच के बाहर रेयर व्यू कैमरे सहित चार कैमरे प्लेटफार्म की ओर होंगे। आवाज रिकार्ड करने की सुविधा होगी और लोको पायलट व गार्ड में संचार भी स्थापित हो सकेगा। ट्रेन की प्राथमिक देखरेख आगरा कैंट में होगी।

फर्जी नियुक्ति पत्र जारी कर युवाओं को जाल में फंसा रहे ठग

प्रयागराज। धूमनगंज के उमेश कुमार के पास पिछले दिनों एक पत्र आया। लिफाफा खोला तो उसमें आबकारी विभाग में क्लर्क की नौकरी का नियुक्ति पत्र था। उमेश ने कभी किसी समय में आबकारी में आवेदन किया था। इसमें लिखा था कि ज्वाइनिंग के वक्त 28 हजार रुपये विभिन्न खर्चों के कारण भुगतान करना होगा। उमेश ने जब विभाग जाकर जानकारी की तो पता चला यहां से ऐसा कोई पत्र जारी नहीं हुआ है। केस–02 रू महावीर लाइन निवासी दिव्या श्रीवास्तव को कौशल विकास भारत की ओर से पिछले दिनों नियुक्ति पत्र मिला। जिसमें रिपोर्टिंग का समय 10 बजे, ट्रेनिंग का समय 11 बजे लिखा था। साथ ही इसमें लिखा था कि क्लर्क के रूप में काम करने के लिए 28500 रुपये वेतन दिया जाएगा। इसके पहले उनका वेरिफिकेशन होगा और शुल्क के रूप में 1110 रुपये देना होगा। दिव्या अपने पिता के साथ कौशल विकास के कार्यालय गईं तो पता चला विभाग की ओर से ऐसी नियुक्ति जारी नहीं की गई है। वेरिफिकेशन के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। ये दो केस मात्र उदाहरण हैं। ऐसे नियुक्ति पत्र इन दिनों तेजी से जारी हो रहे हैं। आबकारी विभाग के अफसरों ने बताया कि अलग–अलग जगह से लोगों ने पत्र का हवाला देकर बताया कि उन्हें नौकरी मिली है। पिछले कुछ दिनों में सात लोगों ने यहां पर संपर्क किया है। दो नियुक्ति पत्र तो उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग के थे, जबकि शेष पांच तो अन्य प्रदेशों के थे। अफसरों ने बताया कि पहले तो पत्र देखकर लगा कि यह विभाग का है, लेकिन इतना तो मालूम ही था कि वर्तमान में कोई नियुक्ति नहीं निकली और विभाग की ओर से जारी पत्र में यह बिल्कुल नहीं लिखा जा सकता कि ट्रेनिंग और दूसरे कार्यों के लिए भुगतान करना होगा।

सूचनाः- मैं गजेन्द्र कुमार पुत्र कुंज बिहारी, नि0- पोस्ट- घीपुर, ग्राम सराय जीत राम (परनू का पुरा) शहबाजपुर, प्रयागराज। ई.डब्लू.एस. फ्लैट सं.-1 (भूतल) ब्लॉक-38 गोविन्दपुर आवास योजना में स्थित है। उक्त सम्पत्ति के पूर्व स्वामी संजय प्रताप सिंह पुत्र श्री रामपाल सिंह के पक्ष में प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा जारी अवंटन पत्र दि0 14.02.1986, कब्जापत्र दि0 03.04.1986 व उनके पक्ष में निष्पादित पट्टा विलेख जो पुस्तक सं.-1 खण्ड-1977 के पृष्ठ सं. 77 से 92 पर दस्तावेज सं. 843 दि0 08.02.2000 व विक्रय विलेख जो पुस्तक सं.-1 खण्ड-1977 के पृष्ठ सं. 93 से 106 पर दस्तावेज सं. 844 दि0 08.02.2000 एवं फ्लैट सं.-3 (प्रथम तल) ब्लॉक-38 उक्त संपत्ति के पूर्व स्वामी श्रीमती शांति देवी पत्नी रामपाल के पक्ष में प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा जारी आवंटन पत्र दि0 02.07.1986 कब्जा पत्र दि0 15.10.1986 व उनके पक्ष में निष्पादित पट्टा विलेख जो पुस्तक सं.-1 खण्ड 1977 के पृष्ट सं.- 107 से 120 पर दस्तावेज सं.- 845 दि0 08.02.2000 व विक्रय विलेख जो पुस्तक सं.- 1 खण्ड 1977 के पृष्ट सं. 121 से 134 पर दस्तावेज सं.- 846 दि0 08.02.200 को उप निबंधक सदर प्रयागराज के कार्यालय में दर्ज है, मूल दस्तावेज खो गया है। जिसकी एफ.आई.आर. दर्ज है। उक्त संपत्ति किसी संस्था या बैंक में बंधक नहीं है। मो.- 8957297174

दो बेटियों की हत्या करने वाले मनीष ने किया था प्रेम विवाह, रिश्ते से खुश नहीं थे घरवाले

प्रयागराज। धूमनगंज थाना क्षेत्र के रम्मन का पूरा निवासी मनीष प्रजापति ने सात साल पहले घरवालों की मर्जी के खिलाफ जाकर प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद वह काफी दिनों तक परिजनों के साथ ही रहा। करीब तीन महीने पहले वह पैतृक घर से अलग करीब 200 मीटर दूर किराये पर कमरा लेकर पत्नी व बेटियों संग रहने लगा था। मनीष तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसके पिता रोशनलाल गवर्नमेंट प्रेस कर्मचारी थे। करीब सात साल पहले उसकी प्रतापगढ़ के लालगंज निवासी संगीता से मुलाकात हुई और फिर दोनों ने शादी कर ली। मनीष के घरवाले इस रिश्ते के खिलाफ थे, इसके बावजूद उसने किसी की नहीं सुनी। मनीष के घरवाले उसे साथ रखने को तैयार नहीं थे। पिछले साल दिसंबर में उसके पिता की मौत हो गई। इसके बाद भाइयों में विवाद की बात भी सामने आई। करीब तीन महीने पहले मनीष पत्नी व दोनों बेटियों को लेकर किराये के मकान में रहने लगा था। उधर पुलिस सूत्रों के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में संगीता ने बताया है कि उसके पति का अपने भाइयों से पिता की नौकरी को लेकर विवाद चल रहा था। बताया कि उसके ससुर की पिछले साल मौत हुई थी और तब वह नौकरी कर रहे थे। उनकी जगह पर परिवार के एक सदस्य को नौकरी मिलनी थी और इसी को लेकर परिवार में विवाद चल रहा था। प्रभारी थाना धूमनगंज अमरनाथ राय ने बताया कि हर बिंदु को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। पूछताछ में पुलिस को पत्नी संगीता ने बताया कि घर लौटने से कुछ देर पहले ही मनीष ने उसे फोन किया था। फोन करते ही उसने पूछा था कि कितनी देर में घर आ रही हो। उसने कुछ देर में लौटने की बात कही तो उसने तुरंत फोन काट दिया। इसके अलावा दोनों में और कोई बात नहीं हुई। पत्नी ने किसी विवाद की बात से भी इन्कार किया। यह भी बताया कि मनीष ने उससे आइसक्रीम लाने को भी कहा था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, संगीता ने पूछताछ में यह भी बताया कि वह बाजार जाते वक्त बड़ी बेटी नैंसी को साथ ले जाना चाहती थी लेकिन मनीष ने उसे मना कर दिया। उसने बेटी को साथ चलने को कहा तो मनीष ने उसे रोक दिया। कहा कि तुम अकेले ही जाओ। पुलिस का मानना है कि मनीष ने पहले ही दोनों बेटियों को मारने का प्लान बना लिया था और शायद यही वजह है कि उसने बड़ी बेटी को पत्नी के साथ नहीं जाने दिया।

कैसा बाप! बेटियों पर चाकू से किए दर्जनों वार, छोटी बेटी की आतें तक निकाल लीं बाहर

प्रयागराज। दो मासूम बेटियों को बेरहमी से कत्ल करने वाले मनीष प्रजापति के सिर पर खून सवार था। उसने दोनों बेटियों पर एक–दो नहीं बल्कि दर्जनों वार किए। चाकू से हुए हमले में छोटी बेटी की तो आंतें तक तक बाहर निकल आई थीं। शवों की हालत ऐसी थी कि पुलिसकर्मी भी स्तब्ध रह गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दरवाजा तोड़कर पुलिसकर्मी भीतर दाखिल हुए तो ठीक सामने तख्त के पास ही मनीष का शव फंदे पर लटका मिला। उसने साड़ी को पंखे के हुक में फंसाकर फंदा बनाया था। उसके हाथ व शरीर के अन्य हिस्सों में खून के छींटे भी थे। बगल में ही जमीन पर दोनों बेटियां खून से लथपथ मृत पड़ीं थीं। दोनों को बेरहमी से मारा गया था। चाकू से पेट व सीने में कई वार किए गए थे। छोटी बेटी खुशबू (3) का शव तो क्षत विक्षत हो गया था। चाकू से हुए जोरदार हमले में उसका पेट फट गया था और आंतें तक बाहर आ गई थीं। यह देख पुलिसकर्मी भी स्तब्ध रह गए। बड़ी बेटी के भी हाथ व पेट पर वार किए गए थे। उध‍र, संगीता ने जब पति व दोनों बेटियों के शव देखे तो बेसुध सी हो गई। महिला पुलिसकर्मी व आसपास की अन्य महिलाओं ने उसे किसी तरह संभाला। होश में आने पर वह फूट–फूटकर रोती रही। पुलिस सूत्रों का कहना है कि घटनास्थल पर ही बड़ा चाकू बरामद हुआ। यह घरेलू चाकू नहीं था। इस तरह का चाकू तार काटने के काम में आता है। मनीष इलेक्ट्रीशियन का भी काम करता था, ऐसे में उसके पास इस तरह के औजार पहले से थे। फोरेंसिक टीम ने चाकू से फिंगर प्रिंट के नमूने भी एकत्र किए। बाद में पुलिस ने इसे कब्जे में ले लिया। मौके पर जमा स्थानीय लोगों को जब बेटियों के बेरहमी से कत्ल किए जाने की जानकारी मिली तो वह यही चर्चा करते रहे कि ऐसा करते वक्त मनीष के हाथ कैसे नहीं कांपे? नाम न बताने की शर्त पर पड़ोस में ही रहने वाले एक युवक ने बताया कि मनीष का मोहल्ले में कभी किसी से विवाद नहीं हुआ। वह अपने काम से काम रखता था।

उपचुनाव से पहले झूंसी को 43 करोड़ का विशेष पैकेज

प्रयागराज। फूलपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव से पहले झूंसी के लिए सरकार ने 43 करोड़ का विशेष पैकेज दिया है। इसके तहत झूंसी में सड़कें व नाले–नालियां बनाई जाएंगी। पेयजल आपूर्ति सुधार के लिए नए नलकूप लगाए जाएंगे। विशेष पैकेज के तहत सभी विकास कार्य झूंसी के 10 वार्डों में कराए जाएंगे। क्षेत्र में विकास के लिए नगर सृजन योजना से 35.66 करोड़ रुपये मिलेंगे। साढ़े सात करोड़ राज्य वित्त से मिलेगा। नलकूप के लिए डेढ़ करोड़ रुपये अलग से दिए जाएंगे। सभी कामों का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेज दिया गया है। अगले महीने से काम शुरू होने की उम्मीद है। चार सितंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए फूलपुर आए थे। महापौर उमेशचंद्र गणेश केसरवानी ने मुख्यमंत्री से फूलपुर विधानसभा के शहरी क्षेत्र में विकास के लिए विशेष पैकेज की मांग की थी। कार्यक्रम में ही विशेष पैकेज को मौखिक स्वीकृति दे दी गई। नगर निगम के मुख्य अभियंता सतीश कुमार ने बताया कि कई कामों की स्वीकृति मिल चुकी। कुछ काम महाकुम्भ के पहले पूरे होने की संभावना है। प्रयागराज। शहर के विस्तारित क्षेत्र में झूंसी विकास के मामले में शहर के बाकी हिस्सों से बहुत आगे निकल गया है। झूंसी में 10 वार्ड हैं। यहां के हर वार्ड में औसत सात–सात करोड़ से अधिक का काम हो रहा है। ये काम नगर सृजन योजना के तहत नगर निगम करा रहा है। नगर निगम पहले से हर वार्ड में औसत तीन–तीन करोड़ का विकास कार्य करा रहा है। अब विशेष पैकेज के तहत चार–चार करोड़ से और काम कराए जाएंगे। इनके अलावा महाकुम्भ के अंतर्गत प्रयागराज विकास प्राधिकरण कई सड़कों का चौड़ीकरण कर रहा है। सिंचाई विभाग क्षेत्र में गंगा किनारे रिवर फ्रंट रोड बना रहा है।

आठ काश्तकारों के विरोध से एयरपोर्ट मार्ग के चौराहों का निर्माण रुका

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 के निर्माण कार्य तेजी से चल रहे है और इन कार्यों में नए प्रोजेक्ट शामिल हो रहे हैं, लेकिन इसी के साथ निर्माण कार्य की बाधा भी बढ़ती जा रही है। अब मामला एयरपोर्ट मार्ग के निर्माण का फंस गसा है। यहां दो चौराहों के चौड़ीकरण का प्रस्ताव तो तैयार हुआ, लेकिन काश्तकार सरकारी मुआवजे से संतुष्ट नहीं है, जिसके कारण निर्माण में समस्या हो रही है। फिलहाल अफसर घोषित दरों पर लोगों को मानने के लिए प्रयास कर रहे हैं। महाकुम्भ से पहले एयरपोर्ट मार्ग का चौड़ीकरण हो रहा है। इस क्रम में एयरपोर्ट के पास दो बड़े चौराहों का निर्माण होना है। इन चौराहों के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहित करनी है। एक चौराहे पर सात और दूसरे चौराहे पर एक काश्तकार से जमीन लेनी है। लेकिन घोषित सरकार दर पर यह लोग जमीन देने के लिए तैयार नहीं हैं। शनिवार शाम एसडीएम सदर अभिषेक कुमार सिंह के नेतृत्व में एक बार फिर टीम पहुंची और काश्तकारों को बातचीत के लिए बुलाया, लेकिन लोग मानने के लिए तैयार नहीं हैं। अफसरों का कहना है कि फिलहाल बात करके ही जमीन लेने का प्रयास चल रहा है। प्रयागराज। एयरपोर्ट मार्ग पर जमीन अधिग्रहण का विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। तमाम स्थानों पर काश्तकारों ने खुद ही बोर्ड लगा दिया है जिसमें स्पष्ट लिखा है कि यह जमीन भूमिधरी है।

सीजीएल टियर-वन की परीक्षा शुरू, 881582 अभ्यर्थी पंजीकृत

प्रयागराज। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की ओर से संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा (सीजीएल) टियर–1 की कंप्यूटर आधारित परीक्षा शुरू हो गई है। परीक्षा सुबह नौ से 10 बजे, दोपहर 12:30 से 1:30 तक और शाम चार से पांच बजे की पाली में हो रही है। 26 सितंबर तक चलने वाली यह परीक्षा यूपी और बिहार के 18 जिलों में तीन पालियों में आयोजित की जा रही है। टियर–1 कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिए दोनों प्रदेशों में 89 केंद्रों पर 8,81,582 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। 61 परीक्षा केंद्र उत्तर प्रदेश में हैं। यहां 6,16,306 अभ्यर्थी शामिल होंगे। वहीं बिहार के 28 केंद्रों पर 2,65,276 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। एसएससी सीजीएल के जरिए केंद्र सरकार के मंत्रालय, विभागों, कार्यालयों में ग्रुप बी और सी की 17,727 संभावित रिक्तियों पर भर्ती करेगा। आवेदन 27 जुलाई तक लिए गए थे।

रामलीला के मंच पर शिव की जटाओं से निकलती दिखेगी गंगा की धारा

प्रयागराज। श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटी ने दस दिनों तक आयोजित होने वाली रामलीला की तैयारियां शुरू कर दी हैं। ‘कथा रामराज्य कीश में इस बार कई अभिनव प्रयोग किए गए हैं। दो नए धार्मिक प्रसंग देखने को मिलेगा। रामलीला के शुभारंभ पर पहले ही प्रसंग में कैलाश पर्वत पर विराजमान रामकथा सुनाते भगवान शिव की जटाओं से निकलती गंगा की जलधारा को दर्शक देख सकेंगे। दूसरा भरत–हनुमान के मिलन का भावुक कर देने वाला प्रसंग जोड़ा गया है। नए प्रसंगों के अलावा रामलीला के मंचन के दौरान बिजली के कड़कने और चमकने का दृश्य भी ध्वनि और प्रकाश के माध्यम से दिखाया जाएगा। दस दिवसीय मंचन के दौरान मंच पर बदलते रंगों वाली विद्युत की छटा भी दर्शकों को मोहित करने वाली होगी। रामलीला का श्रीगणेश तीन अक्तूबर को होगा। कमेटी के मीडिया प्रभारी लल्लू लाल गुप्त सौरभ ने बताया कि हर वर्ष कुछ नया प्रयोग किया जाता है। इस बार पात्रों की वेशभूषा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज में दूसरे चरण की प्रवेश प्रक्रिया शुरू

प्रयागराज। नीट–यूजी यूपी कोटा के तहत नोडल केंद्र मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में चल रही प्रवेश प्रक्रिया का दूसरा चरण सोमवार को शुरू हुआ। इसके तहत 51 रिक्त सीटों पर प्रवेश होगा। इसमें मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, यूनाइटेड मेडिसिटी और हेरीटेज कॉलेज तीनों को मिलाकार 51 सीटें खाली हैं। इसमें मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की 11 रिक्त सीटें खाली हैं। डॉ. चावला के अनुसार द्वितीय चरण में प्रवेश के लिए दस्तावेज का ऑनलाइन सत्यापन किया जाएगा। 20 से 25 सितंबर तक प्रवेश होगा। जो सीटें प्रवेश के लिए बच जाती हैं या अपग्रेड होती है उसमें तीसरे चरण में प्रवेश होगा।

बेली अस्पताल में भी डेंगू की एलाइजा जांच शुरू

प्रयागराज। जिले में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसलिए बेली अस्पताल में भी अब डेंगू की जांच शुरू की गयी है। अभी तक एसआरएन अस्पताल में डेंगू की एलाइजा जांच निरूशुल्क होती थी। लेकिन मरीजों की भीड़ ज्यादा होने के कारण रिपोर्ट मिलने में दो–तीन दिन का समय लगता था। बेली अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ. एमके अखौरी के अनुसार बेली में 100–150 मरीजों की जांच की जाती है, जो मरीज पॉजिटिव मिलते हैं उसकी जानकारी मलेरिया विभाग को दी जाती है। निजी अस्पताल में डेंगू की जांच कराना काफी महंगा है। जिले में डेंगू के अब तक 30 मरीज मिल चुके हैं इसमें 24 शहरी क्षेत्र और छह ग्रामीण क्षेत्र में मरीज मिले हैं।

कटरा चर्च में मनाया गया वृद्धा दिवस

प्रयागराज। चर्च आफ नार्थ इंडिया के कटरा चर्च में वृद्धा दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता लेप्रोसी मिशन हॉस्पिटल की अर्चना ने बुजुर्गों की सेवा को सबसे बड़ा धर्म बताया। बुजुर्गों के सम्मान में चर्च के पदाधिकारियों ने गीतों की प्रस्तुति की और माल्यार्पण करके सभी का स्वागत हुआ। सचिव आशा हिगिंस ने चर्चों में महिलाओं की भूमिका के बारे में बताया और इस बात पर जोर दिया कि कैसे महिलाएं भगवान के नाम की महिमा करने के लिए हर क्षेत्र में प्रभावी हो सकती हैं। इस मौके पर पादरी शैलेश सिंह, अजीत फ्रांसिस, अनुकृति सिंह आदि मौजूद रहे।

अब कैंट हॉस्पिटल में ही होगी सस्ते दरों पर एमआरआई

प्रयागराज। शहर के गंभीर मरीज अब कैंट हॉस्टिपल में एमआरआई परीक्षण करा सकते हैं। इस अस्पताल में परीक्षण कराने के लिए लोगों को जेब ढीली नहीं करनी पड़ेगी। परीक्षण के लिए अस्पताल में तीन करोड़ की एमआरआई मशीन लगाई गई है। सदर बाजार स्थित अस्पताल में रियायती दरों पर एमआरआई जांच की सुविधा दे रहा था, लेकिन इसके लिए मरीजों को प्राइवेट सेंटर भेजा जाता था। शुल्क कम लगता था

लेकिन परीक्षण के लिए मरीज के आवागमन में परेशानी होती थी। अब यह परेशानी नहीं होगी। अस्पताल का संचालन कर रही संस्था के निदेशक सिद्धार्थ पांडेय ने बताया कि सीजीएचएस की दरों पर सभी परीक्षण शुरू कर दिया गया है। निदेशक के अनुसार अस्पताल कई ऐसे परीक्षण घर जाकर भी करेगा, जो संभव होगा। इसके लिए अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। शहर के स्वरूप रानी अस्पताल और तेज बहादुर सप्रू अस्पताल में भी एमआरआई जांच की सुविधा उपलब्ध है। दोनों अस्पतालों की मशीनें अक्सर खराब रहने पर मरीज बाहर जांच कराने को मजबूर होते हैं। प्राइवेट सेंटर पर जांच कराने के लिए ऊंची कीमत चुकानी पड़ती है। कैंट हॉस्पिटल में एमआरआई के अलावा यूएसजी, 2डी इको, सीटी स्कैन, ईसीजी, हिस्ट्रियोलॉजी, टीएमटी, पीएफटी. इंडोसकोपी, कोलोनोस्कोपी आदि जांच बाहरी लोग भी करा सकते हैं।

द लेयर्स राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन राज्य ललित कला अकादमी के अध्यक्ष डॉ0 सुनील विश्वकर्मा ने किया'-कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा के संरक्षण में राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी द लेयर्स का भव्य आयोजन

प्रयागराज । गुरुकुल कानपुर ,एवं भारत ललित कला अकादमी द्वारा कलाकारों की सामूहिक राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी 'द लेयर्स ' का उद्घघाटन दोपहर 2 बजे गुरुकुल आर्ट गैलरी आजादनगर कानपुर में ख्याति प्राप्त चित्रकार , अयोध्या में रामललला की प्रतिमा का रेखाचित्र बनाने वाले चित्रकार डॉ.सुनील कुमार विश्वकर्मा अध्यक्ष राज्य ललित कला अकादमी संस्कृति विभाग उ०प्र० व विभागाध्यक्ष ललित कला विभाग महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी एवं प्रो० सुनील सक्सेना के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ, तत्पश्चात अतिथियों का जोरदार स्वागत हुआ। संरक्षक जाने माने कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण आठ दिवसीय कला प्रदर्शनी कानपुर में आयोजित है, इस प्रदर्शनी में देश के मुंबई , दिल्ली , हैदराबाद , कौशांबी, पटना, मिर्जापुर ,वाराणसी ,लखनऊ, फरीदाबाद, मथुरा एवं प्रयागराज नगर के कलाकारों की कृतियों को प्रदर्शित किया गया है। इस प्रदर्शनी में प्रख्यात कलाकारों में रवीन्द्र नाथ कुशवाहा, प्रो.सुनील सक्सेना, सुमित ठाकुर, डॉ सचिन सैनी,अनूप सिंह, जोयल गिल, सचीकांत झा, मनीष मंजुल, कसुला पद्मावती, राजीव सेमवाल, भोला सिंह, तलत महमूद, राजेंद्र भारतीय, मनोज हंसराज, कमलेश, अर्चना पाण्डेय,अनूप कुमार सिंह, अनिल सोनी, मो० सुलेमान, मांजीद मंसूरी, कमलेश वर्मा एवं खुशबू सम्मलित रहे। गुरुकुल के डायरेक्टर प्रो.अभय द्विवेदी ने बताया कि इस प्रदर्शनी के ऑर्गेनाइजर सुमित ठाकुर, क्यूरेटर अभिनय प्रकाश ,आयोजक अध्यात्म शिवम् एवं कन्वीनर नेहा मिश्रा रहीं , डॉ. अजय पाठक, राजेश निषाद, हरिमोहन, आर.एस.पांडे, रूबी ठाकुर,आयुष, अर्चना, श्रेया समेत अन्य कलाकार, कलाप्रेमी मौजूद रहे।,

'साहित्य उपवन रचनाकार मंच का द्वितीय वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न'

ग्रेटर नोएडा। साहित्य उपवन रचनाकार मंच का द्वितीय वार्षिक अधिवेशन नयी दिल्ली स्थित गाँधी शांति प्रतिष्ठान के सभागार में अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ० राकेश सक्सेना, डॉ० रमासिंह, डॉ०सुनीता सक्सेना, ओमप्रकाश प्रजापति, वीना गुप्ता के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सुधा बसोर सौम्या की सरस्वती वंदना एवं अंशी कमल के स्वागत गीत से हुआ। संस्थापक कुमार रोहित रोज ने अतिथियों व सुदूर प्रांतों से पधारे कवि– कवयित्रियों का पगड़ी,पटका,प्रतीक चिह्न व प्रमाण पत्रों के साथ सम्मान किया। विशिष्ट अतिथि डॉ० सुनीता सक्सेना ,ओमप्रकाश प्रजापति, वीना गुप्ता ने उपवन

मंच के साहित्यिक क्रियाकलापों की सराहना करते हुए संस्था को कविता की पाठशाला बताया। मुख्य अतिथि कीर्तिलता डॉ० रमासिंह ने कहा कि आज के जीवन में कविता का सर्वाधिक महत्व है। यह ऐसी साधना है जिससे जीवन का परिष्कार किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय कवि डॉ० राकेश सक्सेना ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि साहित्य उपवन संस्था उपयोगी व प्रेरक इसलिए है कि ये नवांकुरों को काव्य के विविध छंदों का ज्ञान कराने के साथ–साथ उनकी सृजनात्मक क्षमता व अभिव्यक्ति कौशल में निखार लाती है। विभिन्न प्रांतों से आए कवि–कवयित्रियों ने सुमधुर कंठ से अपनी काव्य प्रस्तुति से श्रोताओं को मुग्ध किया। इस अवसर पर रविकुमार झा, मुहम्मद आसिफ, नरेश सागर, रमन ध्यानी, ममता झा, सीमा पटेल, जगदीश गोकलानी, दिनेश आनंद, शैलजा दुबे, मनोज तिवारी, हुमा खातून, सुमन किमोठी, करुणा अथैया, निवेदिता, अनीता जोशी, सिद्धि डोभाल, अलक् जैन, युद्धवीर सिंह विष्ट, सीमा भडाना, कर्मेश सिन्हा आदि रचनाकार उपस्थित रहे। संस्थापक कुमार रोहित रोज ने आगन्तुक अतिथियों व रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा समारोह का सफल संचालन आर०डी० गौतम विनम्र ने किया।

उद्बोधन कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रयागराजस चौधरी महादेव प्रसाद महाविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में 5 दिनों तक चलने वाले उद्बोधन कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ । इस अवसर पर प्राचार्य अजय प्रकाश खरे ने भारत में रोजगार परक शिक्षा का महत्व पर प्रकाश डाला। शिक्षा और सक्षयता से देश कैसे विकसित होगा इस पर भी उन्होंने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के इस प्रथम दिवस पर विभाग की संयोजक डॉक्टर विनीता जयसवाल ने नव प्रवेशित स्नातकोत्तर के छात्र–छात्राओं का स्वागत किया तथा डॉक्टर सुधी श्रीवास्तव ने इस प्रेरणा परक उद्बोधन कार्यक्रम के बारे में बताया। विशेष वक्ता डॉ रंजना तिवारी ने छात्रों के मस्तिष्क में हो रहे उथल–पुथल एवं तनाव को कैसे नियंत्रित करने की युक्तियों के बारे में बताया। डॉ विनय कुमार सिंह ने कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद प्रेषित किया इस पूरे कार्यक्रम के दौरान विभाग के अध्यापक डॉक्टर हेमलता, डॉक्टर मनोज, डॉक्टर ज्योति ,डॉक्टर आशीष, डॉक्टर अनुराधा ,डॉ निधि, डॉक्टर अजीत एवं डॉक्टर चारू उपस्थित रहे।

शैक्षणिक गतिविधियों से अवगत कराया गया विद्यार्थियों को

प्रयागराज । समाजशास्त्र विभाग द्वारा एम.ए प्रथम सेमेस्टर सत्र 2024– 2025 के विद्यार्थियों हेतु इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजित किया गया । कार्यक्रम की शुरुआत समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ ऋतेश त्रिपाठी द्वारा छात्र–छात्राओं का स्वागत कर किया गया तत्पश्चात उन्होंने विभाग के सभी अध्यापकों का औपचारिक

परिचय दिया । छात्र छात्राओं ने भी अपना संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया । डॉ विजयलक्ष्मी सक्सेना ने सम्पूर्ण कोर्स के दौरान होने वाली शैक्षणिक गतिविधियों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। विभाग के सभी सदस्यों ने छात्र–छात्राओं के समक्ष अपने प्रेरणादाई विचार रखे। कार्यक्रम में भौतिक विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ रोहित कुमार द्वारा विद्यार्थियों को नेप्टेल के विषय में संपूर्ण जानकारी देने हेतु आमंत्रित किया गया। डॉ मनीष कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय परिसर का भ्रमण कराया जिसमें लाइब्रेरी, कैंटीन क्लासरूम आदि शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ रुचिका चौधरी द्वारा तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ तान्या राय द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में डॉ राम चिरंजीवी, डॉ अनंत सिंह जेलयांग एवं डॉ सपना मौर्या उपस्थित थे तथा कार्यक्रम में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया।

नेशनल ताइक्वांडो में शिक्षा तिवारी ने जीता कांस्य पदक

प्रतापगढ़ की बेटी ने ताइक्वांडो में रोशन किया जनपद का नाम

प्रतापगढ़।केंद्रीय विद्यालय न्यू कैंट की छात्रा शिक्षा तिवारी ने झांसी में आयोजित 53वें राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान ताइक्वांडो खेल में कांस्य पदक जीता है।

शिक्षा तिवारी मदन मोहन मालवीय स्टेडियम प्रयागराज में श्रेया सिंह के निर्देशन में ताइकवांडो का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है । शिक्षा तिवारी की इस सफलता पर केंद्रीय विद्यालय न्यू कैंट के प्रधानाचार्य, खेल शिक्षक अब्दुल कादिर एवं अन्य शिक्षकों ने बधाई दी है। बताते चलें कि शिक्षा तिवारी प्रतापगढ़ की लालगंज तहसील के अनेहरा गांव के निवासी मोहित व रीना तिवारी की पुत्री हैं ।उनकी इस सफलता पर लालगंज क्षेत्र से शिक्षकों समाजसेवियों के फोन दादा ओम प्रकाश तिवारी के मोबाइल पर लगातार आ रहे हैं पोती की इस उपलब्धि पर दादा ओम प्रकाश तिवारी दादी शांति तिवारीसहित परिजनों ने खुशी व्यक्त की है।

नव दोहा कलश पर हुई परिचर्चा एवं बही काव्य की रसधार

प्रयागराज। वैश्विक हिंदी महासभा के बैनर तले 9 सितम्बर 2024 दिन रविवार को

राजरूपपुर, प्रयागराज में डाक्टर अजय मालवीय के आवास पर पंडित राकेश मालवीय मुस्कान की पुस्तक नव दोहा कलश पर एक परिचर्चा एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वैश्विक हिंदी महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल ने की। मुख्य अतिथि भगवान प्रसाद उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि डॉक्टर योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु, मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल प्रयागी और प्रधानाचार्या वीबीपीएस प्रीति मिश्रा रही। कार्यक्रम का आरम्भ अतिथियों ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित और माल्यार्पण करके किया। कार्यक्रम संचालक डॉक्टर अजय मालवीय ने मधुर वाणी में सरस्वती वंदना करके कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की।

कार्यक्रम के आरम्भ विशिष्ट अतिथि रामकैलाश पाल प्रयागी ने कवि व दोहाकार पंडित राकेश मालवीय मुस्कान का सम्मान करते हुए उन्हें अंगवस्त्रम, माल्यार्पण और पाँच हजार रुपए नकद प्रदान किए। इस अवसर पर डॉक्टर अजय मालवीय ने नव दोहा कलश पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पंडित राकेश मालवीय मुस्कान ने जिन चीजों को जैसा देखा, वैसा ही लिखने की कोशिश किया। इसलिए उनके दोहे सहज और स्वाभाविक हैं। मुस्कान की पुस्तक का आरंभ गणेश वंदना से हुआ है। इसमें कवि ने भक्ति, नीति, नारी, बेटी, भाषा, हास्य, राजनीति और लगभग सभी प्रकार के भावों को पिरोया है। एक दोहे में कवि कहता हैरू—ष्भेदभाव के खेल में, टूटे सब जज्बात।ध्अरे मनुज अब जाग तू, देख घनेरे घात।। उनकी यह पुस्तक सहज, सुपाठ्य और जीवन के तमाम संदर्भों को प्रेरित करती है। इस अवसर पर प्रोफेसर रवि मिश्र ने कहा कि दोहे में केंद्रीय भाव भारतीयता है। गणेश वंदना के जीवन साधना को इसमें उद्धृत किया गया है। सामान्य दृष्टि से अध्यात्म दर्शन की ओर का सफर कराया गया है। सुकून वाला घर तक गायब है। जीवन के विविध रंग उभर कर आए हैं। सहमति और असहमति के दौर में अनेक विषय उठाए हैं। डॉक्टर रामलखन चौरसिया वागीश ने कहा कि साहित्यकार का व्यक्तित्व, परिवेश और स्थिति के रूप में वह उसकी संतान के रूप उसके परवरिश को दिखाती है। कवि ने अपने भोगे हुए यथार्थ को पुस्तक में चित्रित किया है। कलश को भरने के लिए अभी बहुत जगह है। मुख्य अतिथि भगवान प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि मानवीय मूल्यों का समुचित प्रतिपादन किया गया है। दोहे संक्षेप में बहुत बड़ी बात कह जाते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल ने कहा कि दोहे की सार्थकता उसके कई तरह के प्रकार हो गए। रामचरितमानस भी जब लिखी गई थी तब उसे पता नहीं था कि कहा तक जाएगी। उसी तरह मुस्कान की नव दोहा कलश भी दूरगामी है। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में एक कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें सुशान्त चट्टोपाध्याय, डॉक्टर इंदु जौनपुरी, सुनील विक्रम सिंह, शम्भुनाथ श्रीवास्तव, प्रोफेसर रवि मिश्र, डॉक्टर रामलखन चौरसिया, मुक्तक सम्राट रामकैलाश पाल प्रयागी, योगेन्द्र कुमार मिश्र विश्वबंधु, डॉक्टर भगवान प्रसाद उपाध्याय, डॉक्टर शम्भुनाथ त्रिपाठी अंशुल, डॉक्टर अजय मालवीय बहार इलाहाबादी, पंडित राकेश मालवीय मुस्कान, आदि ने बहुत सुंदर काव्य पाठ के साथ मंच को रोमांचित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर अजय मालवीय बहार इलाहाबादी ने किया।

अब रथ का चक्र उठा लो माधव नहीं बांसुरी जंचती है... डॉ0 कामायनी

प्रतापगढ़। जेल रोड स्थित आनंद सदन पर हिंदी पखवाड़ा अंतर्गत विचार एवं काव्य गोष्ठी का हुआ आयोजन । अपनी माटी अपनी परिपाटी के संवाहकों द्वारा तुलसी शोध संस्थान प्रतापगढ़ के तत्वावधान में हिन्दी पखवारा के अन्तर्गत प्रथम विचार एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन जेल रोड स्थित आनंद सदन में आयोजित किया गया। जहां एक स्वर में वक्ताओं व साहित्यकारों ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा का दर्जा दिलाएं जाने की मांग उठाई इस क्रम में कार्यक्रम की शुरुआत विशेष अतिथि डॉक्टर श्रद्धा सिंह

ज्ञान की देवी मां सरस्वती एवं गोस्वामी तुलसीदास जी के चित्र पर दुल्हन करके किया । काव्य पाठ के अन्तर्गत कवित्री अर्चना सिंह के सरस्वती वन्दना व संगीतकार डॉ. बच्चा बाबू की गजल से प्रारंभ हुआ ।तत्पश्चात गीतकार चन्द्रकांत शाश्वत ने पढ़ा कि श मैं तुम्हें प्रेम का गीत कैसे लिखूं मेरे हमदम तुम्हें मीत कैसे लिखूं श पर श्रोता झूम उठे , शीतला प्रसाद श्सुजानश ने श्ना ही पूजा नमाजे असर देखिए,किस तरह हो सभी का बसर देखिए।श शायर डॉ. अनुज नागेन्द्र ने हिन्दी के समर्थन में जब गजल रखी कि श्शब्द के हीरे, जवाहर और है मोती, है बहुत समृद्ध कोषागार हिंदी का श तो महफिल झूम उठी अनूप अनुपम ने पढ़ा कि श हिंदी है भारत की बिंदी हिंदी हिंदुस्तान है श तो हिन्दी व हिन्दुस्तान की ध्वजा वाहक रचना धर्मी डॉ. कामायनी उपाध्याय ने वर्तमान परिस्थितियों पर वार करते हुए पढ़ा कि अब रथ का चक्र उठा लो माधव नहीं बांसुरी जंचती है, जब चतुर्दिशा हो कोलाहल तब कहां रागिनी रुचती है!! श संचालक श्याम शंकर शुक्ला श्श्यामश ने पढ़ा कि श्मैं रामायण हूं मुझको पढ़ा करोश इस क्रम में डॉ.राजेंद्र राज, अर्चना सिंह, डॉक्टर सुधांशु उपाध्याय, सुरेश नारायण दुबे व्योम, ओम प्रकाश पंछी, चांदनी दूबे,डॉ .शाहिदा, राजमुर्ती सिंह सौरभ, डॉ गौरव त्रिपाठी, गणेश श्रीवास्तव, निर्मल नदीम, अनीस देहाती आदि काव्य पाठ किया । कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर संगम लाल भंवर व आभार कार्यक्रम आयोजक अध्यक्ष आरोग्य भारती प्रतापगढ़ डॉक्टर सुधांशु उपाध्याय ने किया । इस दौरान आरोग्य भारती प्रतापगढ़, संस्कार भारती ईकाई प्रतापगढ़ एवं गुड मॉर्निंग क्लब प्रतापगढ़ के सदस्यगण के साथ साथ डॉक्टर रंगनाथ शुक्ला, अमित शुक्ल, डॉ एस के शर्मा,राकेश शर्मा,धर्म प्रकाश पाण्डेय ,डॉ सिमरन कौशल भाजपा आईटी सेल संयोजक पंकज सिंह,शिशिर खरे , नीरज उपाध्याय, संजय द्विवेदी, डॉ .चक्रपाणि उपाध्याय , अनुराग उपाध्याय आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मनरेगा योजना के सम्बंध में जनसंवाद व जनसुनवाई कार्यक्रम 10 सितम्बर से होगा शुरू

लोकपाल मनरेगा जन सामान्य से प्राप्त सलाह व शिकायत करेंगे दर्ज, समुचित जांचोपरांत होगी ठोस कार्यवाही

दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को होगा आयोजन

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा के विकास भवन के द्वितीय तल पर स्थित कार्यालय में 10 सितम्बर से ष्जनसंवाद व जनसुनवाई कार्यक्रमष शुरू होगा .स जो दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को आयोजित होगा स इस समय लोकपाल मनरेगा समाज शेखर जन सामान्य, मजदूरो, मनरेगा कर्मियो व विशिष्ट नागरिको से मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार व अनियमितता के सम्बंध में संवाद एवं सुनवाई करेंगे। लोकपाल समाज शेखर ने कहा है की इस दिन निर्धारित अवधि में सलाह व शिकायत पर समुचित जांचोपरांत होगी ठोस व व्यवहारिक कार्यवाही सुनिश्चित होगी स उन्होने सभी जागरूक नागरिको से अपने अपने ग्राम में व्यवहारिक भूमिका निभाने का आवाहान करते हुए कहा की योजना का शत प्रतिशत लाभ गांव और ग्राम वासियो को मिले यह सुनिश्चित करना सभी जागरूक नागरिको का कर्तव्य है जिसे सभी को निभाना चाहिए।

बाबू राम करन सिंह का योगदान अविस्मरणीय : अखिल नारायण सिंह

कैसे ,क्या कहूँ हुए हैं मौन सारे शब्द बस,पिता मेरी फिल्म के तो हीरो कहे जाते हैं : अर्चना सिंह

प्रतापगढ़।प्रसिद्ध समाज सेवी, प्रवक्ता एवं पत्रकार बाबू राम करन सिंह जी की चौबीसवीं पुण्य तिथि चिलबिला स्थित दिलराज निकेतन में समारोह पूर्वक मनाई गई।

समारोह को संबोधित करते हुए न्यूज स्टैण्डर्ड के संपादकध्वरिष्ठ पत्रकार अखिल नारायण सिंह ने कहा कि बाबू राम करन सिंह का सामाजिक एवं शैक्षिक योगदान अविस्मरणीय है।

प्रबन्धक अनिल प्रताप त्रिपाठी प्रवात समारोह के मुख्य अतिथि रहे।उन्होंने भी उनके व्यक्तित्व की चर्चा की।

समारोह में अर्चना सिंह,आशीष कुमार तिवारी एवं रायबरेली के पत्रकार राजू निषाद को अंग वस्त्रम,स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र एवं दो हजार पाँच सौ एक रूपए की राशि देकर सम्मानित किया गया।

सह आयोजक डा चंद्रेश बहादुर सिंह ध्रुव द्वारा सभी अतिथियों का स्वागत किया गया।

समारोह की अध्यक्षता दया राम मौर्य रत्न ने की।समारोह को राजेश मणि त्रिपाठी,ओम प्रकाश पांडेय, राज कुमार पांडेय पूर्व प्राचार्य जी आई सी, महेंद प्रताप सिंह पूर्व प्रधानाचार्यडा प्रेम शंकर जायसवाल,संतोष भगवन,डा जगदीश श्रीवास्तव,डा उत्कर्ष राज श्रीवास्तव,बृजेंद्र प्रताप सिंह,आदित्य प्रताप सिंह प्रधानाचार्य के पी कालेज आदि ने सम्बोधित किया।

कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों के प्रति डा हरिकेश बहादुर सिंह द्वारा आभार ज्ञापित किया गया।

समारोह का संचालन डा रवींद्र कुमार सिंह एवं सुरेश नारायण दुबे द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए त्योहार विशेष रेलगाड़ियों के अतिरिक्त फेरों के संचालन करने का निर्णय लिया गया है। निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, संरचना, ठहराव एवं मार्ग पर चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत् हैं :-

गाड़ी सं.	कहाँ से कहाँ तक	चलने का दिन	पूर्व अधिसूचित तिथि	संचालन की विस्तारित तिथि
02525	कामाख्या-आनन्द विहार (ट.)	शुक्र.	06.09.24	13.09.24 से 29.11.24
02526	आनन्द विहार (ट.)-कामाख्या	रवि.	08.09.24	15.09.24 से 01.12.24
05671	गुवाहाटी-आनन्द विहार (ट.)	बुध.	04.09.24	11.09.24 से 27.11.24
05672	आनन्द विहार (ट.)-गुवाहाटी	शुक्र.	06.09.24	13.09.24 से 29.11.24
05734	कटिहार-अमृतसर	गुरू.	12.09.24	19.09.24 से 28.11.24
05733	अमृतसर-कटिहार	शनि.	14.09.24	21.09.24 से 30.11.24

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 1591/24(ADM)

कारीगरों और शिल्पकारों को मजबूत करने के लिये हुयी कार्यशाला

फ्लिपकार्ट ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ मिलकर कार्यशाला का किया आयोजन

लखनऊ, एजेंसी। भारत के घरेलू ईकॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ मिलकर कार्यशाला का आयोजन किया कार्यशाला का उद्देश्य फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस में कदम रखने और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए जरूरी जानकारी एवं टूल्स प्रदान करते हुए स्थानीय कारीगरों एवं शिल्पकारों को सशक्त करना था। कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, धार के कलेक्टर डीएम प्रियांक मिश्रा और फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार उपस्थित रहे। इस साझेदारी को लेकर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा फ्लिपकार्ट ने पूरे भारत में 18 लाख से ज्यादा आजीविकाओं पर सकारात्मक प्रभाव डाला है और ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से विकास के नए अवसर प्रदान करते हुए स्थानीय कारीगरों एवं महिला उद्यमियों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

सम्पादकीय.....

घुटती सांसें

यूं तो प्रदूषण का संकट देशव्यापी है। लेकिन जब दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है, तो स्वाभाविक है कि राष्ट्रीय राजधानी के तीन तरफ स्थित हरियाणा में उसका प्रभाव होगा ही। जिसके मूल में तंत्र की काहिली और नागरिकों की उदासीनता निहित है। बहरहाल, एक हालिया रिपोर्ट हरियाणावासियों की चिंता बढ़ाने वाली है कि देश के सौ सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में 15 हरियाणा के हैं। जिसमें सबसे ज्यादा खराब स्थिति फरीदाबाद की है। इस साल की पहली छमाही में प्रदूषण के मुख्य कारक पीएम 2.5 के आधार पर हवा की गुणवत्ता का निर्धारण किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत के राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुसार हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर की सुरक्षित सीमा क्रमशरू चालीस माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और साठ माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होनी चाहिए। हालांकि, ये मानक विश्व स्वास्थ्य संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार निर्धारित मानकों से कहीं ज्यादा हैं। यह गंभीर स्थिति है कि फरीदाबाद में पीएम 2.5 का स्तर 103 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा है। जबकि हरियाणा के तीन शहर पलवल, अंबाला और मांडीखेड़ा राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक के अनुरूप संतोषजनक स्थिति में कहे जा सकते हैं। वहीं गुरुग्राम में पीएम 10 की सांद्रता सबसे अधिक 227 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रही, जो एक गंभीर स्थिति को दर्शाती है। विडंबना यह है कि मौजूदा समय में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम केवल फरीदाबाद में ही चलाया जा रहा है। यह हमारी जीवन शैली से उपजे प्रदूषण की देन भी है। दरअसल, हरियाणा के बड़े शहर आबादी के बोझ से त्रस्त हैं। बढ़ती आबादी के लिये रोजगार बढ़ाने व अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए जो औद्योगिक इकाइयां लगायी गई, उनकी भी प्रदूषण बढ़ाने में भूमिका रही है। डीजल–पेट्रोल के निजी वाहनों को बढ़ता काफिला, निर्माण कार्यों में लापरवाही, कचरे का निस्तारण न होना और जीवाश्म ईंधन ने प्रदूषण बढ़ाया है। दरअसल, हमारे नीति–नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख–सुविधा की ललक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे–बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा,एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा? यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हालिया रिपोर्ट फिक्र बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु पांच साल कम कर रहा है। बहरहाल प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की भी जरूरत है। अध्ययन कहता है कि देश की एक अरब से अधिक आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। भारत के सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित हैं। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन थोड़ी स्थिति सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल–डीजल के नये मानक तय होते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगती है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में प्रदूषण कम करने को राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं, वहीं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने–अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं।

विश्रवा के जन्म का गूढ़ार्थ

लेखक :– प्रोफेसर मिथिलेश कुमार त्रिपाठी

विश्रवा दशानन रावण के पिता थे। अध्यात्म रामायण के उत्तर काण्ड के प्रथम सर्ग में विश्रवा के जन्म से संबंधित एक रोचक आख्यान का उल्लेख है। विश्रवा के पिता मुनि पुलस्त्य जी मेरु पर्वत पर ऋषि तृणविन्दु के आश्रम के पास तपस्या कर रहे थे। वहॉ नाना प्रकार की कन्याएं और अप्सराएं जाकर मनोरंजन करती थीं। इससे पुलस्त्य की तपस्या में व्यवधान आता था। एक दिन उन्होंने कहा कि जिस किसी भी कन्या पर मेरी दृष्टि पड़ेगी वह गर्भवती हो जाएगी। शाप के भय से अन्य कन्याओं ने तो वहॉ आना बंद कर दिया, किंतु तृणविन्दु की कन्या को यह पता नहीं था, जिसके कारण एक दिन पुलस्त्य की दृष्टि उस पर पड़ गयी और वह पीली पड़ने लगी। ध्यान द्वारा सारी बातों को जानकर तृणविन्दु ने अपनी वह कन्या मुनि पुलस्त्य को ब्याह दी। कालांतर में उससे एक पुत्र उत्पन्न हुआ, जिसका नाम रखा गया विश्रवन – विश्रवा। यहॉ विचारणीय विषय यह है कि क्या दृष्टिपात अर्थात दृष्टि पड़ने मात्र से कोई कन्या गर्भवती हो सकती है? मेरे विचार से यह संभव है। वस्तुतरू, भारतीय पुराणेतिहासिक साहित्य में जितनी भी असाधारण एवं असम्भव–सी प्रतीत होने वाली घटनाएं वर्णित हैं, उनमें एक गहन विज्ञान छिपा हुआ है। इसलिए भारतीय साहित्य का अध्ययन करते समय मन में यह दृढ़ धारणा बना लेनी चाहिए कि भारतीय महर्षियों– महामुनियों आदि ने जो कुछ भी कहा है, वह सब सत्य है।इस धारणा के साथ अध्ययन करने पर अभीष्ट सत्य के समीप पहुॅचे बिना नहीं रह सकता। मेरे विचार से जिस दृष्टिपात से तृणविन्दु की कन्या गर्भवती हुई थी, वह भौतिक ऑखों से भिन्न तृतीय ऑख थी। इसे ही योगविज्ञान की शब्दावली में आज्ञाचक्र कहते हैं ।तपस्या के प्रभाव से ऑखों में असीम शक्ति–ऊर्जा का सन्निवेश हो जाता हैद्य। उसका जहॉ भी प्रयोग किया जाएगा वहां असाधारण परिणाम प्रकट होगा। ऐसा उल्लेख है कि–

1–भगवान शंकर के दृष्टिपात से कामदेव भस्म हो गया था।

2–भगवान श्री राम के द्वारा कृपापूर्वक देखने मात्र से सुग्रीव बालि के प्रहार की पीड़ा से मुक्त हो गया था।

3–मुचकुंद महाराज के दृष्टिपात से कालयवन जलकर राख हो गया था।

4–गांधारी के दृष्टिपात से दुर्योधन का शरीर बज्रवत हो गया था।

इस प्रकार के और भी बहुत से आख्यान प्राचीन भारतीय साहित्य में पढ़ने को मिल जाते हैं। लोक–जीवन में यह विश्वास अनादिकाल से प्रचलित है कि नजर लगने से बड़े से बड़े पेड़ भी सूख जाते हैं। इस प्रकार के अतिरंजनापूर्ण आख्यान और लोकविश्वास युगानुरूप चिंतन ,मनन, अध्ययन और विश्लेषण की अपेक्षा रखते हैं। आशय यह है कि प्राचीन ग्रंथोक्त घटनाओं की वर्तमान वैज्ञानिक आविष्कारों एवं उपलब्धियों से संगति–सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करना प्रत्येक विद्वान का परम कर्तव्य होना चाहिए। है वस्तुतरू व्यक्ति की ऑखों में शक्ति– ऊर्जा का अक्षय स्रोत होता है। सामान्य जनों की नेत्र–ऊर्जा कुदृष्टि एवं दोष–दर्शन आदि कारणों से क्षरित होते–होते नष्टप्राय हो जाती है। किन्तु तपस्वी एवं संयमी मानवों की ऑखों से उस ऊर्जा का बिखराव नहीं होता। परिणामतरू वह ऑखों में ही संचित होते–होते असीम शक्तिपुंज का रूप ले लेती है। ऑखों की यह ऊर्जा अकल्पनीय आश्चर्यजनक कार्य करने में सक्षम होती है। तपस्वी लोग जिस भावदशा के वशवर्ती होकर अपनी ऑखें खोलते हैं, उसी के अनुरूप ऑखों की संचित ऊर्जा प्रकाश–किरणों के सहारे पुंजीभूत होकर निकल पड़ती है और द्रष्टा के मन की इच्छा, संकल्प व भाव के अनुसार प्रभाव को जन्म देती है। इसी सिद्धांत पर तृणविन्दु की कन्या का गर्भवती होना सत्य प्रमाणित हो जाता है। इस घटना का गूढ़ार्थ यह प्रतीत होता है कि जब पुलस्त्य मुनि ने उस कन्या को देखा तो ऑखों से निकली हुई प्रकाश–किरणें, जिसकी वेधन–शक्ति अकल्पनीय तीव्र–तीक्ष्ण थी, पुंजीभूत होकर उसकी कुक्षि पर पड़ी और अंतर्भाग में प्रविष्ट होकर अपने साथ ले जाये गये चेतनाणुओं को स्थापित करके लौट आयीं ।परिणाम यह हुआ कि कोई एक चेतनाणु सक्रिय होकर स्थूलीकरण के नियमानुसार बढ़ते–बढ़ते गर्भ में परिणत हो गया। इस घटना का मुख्य कारण है–1– जीवन–बीज अर्थात चेतनाणु और निमित्त कारण है–2– आंखों की प्रकाश– किरणें। दोनों कारणों को इस प्रकार समझा जा सकता है–

1–चेतनाणु(जीवन–बीज) रू–जीवन शरीर और चेतना का संघात है।किसी भी प्राणी के शरीर के अकल्पनीय सूक्ष्म कण के साथ–साथ भावना–विचारणा के सूक्ष्मतम परमाणु में भी उसका संपूर्ण जीवन (व्यक्तित्व)बीज में छिपे हुए अप्रकट वृक्ष की भांति समाहित होता है। स्थूल एवं सूक्ष्म आदि शरीर से संबंधित जितने भी सूक्ष्म–सूक्ष्मतम कण हो सकते हैं, वे वस्तुतः स्वतंत्र व्यक्तित्व के बीजाणु हैं। यथार्थतरू कोई भी एक जीवित शरीर अनंत शरीर–बीजों का संपुंज होता है। शरीर के किसी एक कण,बल्कि उस एक कण के हो सकने वाले अनंत भागों में से किसी एक भाग से उस–जैसा अर्थात मूल–जैसा प्राणी निर्मित और विकसित किया जा सकता है। सच्चाई तो यह भी है कि जब व्यक्ति सॉस छोड़ता है तो उसके साथ चेतना के अनंत परमाणु अर्थात कल्पनातीत सूक्ष्म प्राणिबीज बाहर निकल कर हवा में मिल जाते हैं। पुनः जब वह सॉस खींचता है तो अनंत स्थूल–सूक्ष्म प्राणियों के सूक्ष्म प्राणिबीज उसके शरीर में प्रविष्ट होते रहते हैं। शरीर में विद्यमान यही प्राणिबीज जुआं,किलनी लीक आदि परजीवी प्राणियों के रूप में शरीर में मुख्य रूप से पशु–पक्षियों के शरीर में पैदा होते रहते हैं। यदि मनुष्य अपने शरीर की साफ–सफाई न रखें तो उसके शरीर में भी इस प्रकार के जीव पैदा हो सकते हैं, क्योंकि अनन्त प्राणियों के अनन्त प्राणि–बीज उसके शरीर में सूक्ष्म रूप से समाहित रहते हैं। वैसे ही जैसे नाना प्राणियों के प्राणिबीज प्रकृति के गर्भ में मिलकर नाना प्रकार के नये–नये जीवों के रूप में निरंतर विकसित हो रहे हैं। वर्तमान विज्ञान अपने विकास–क्रम में जब हवा में विद्यमान सूक्ष्म प्राणिबीजों में से किसी एक बीजाणु को ग्रहण करके प्रजनन–विधि की तकनीक का विकास कर लेगा, तब इस प्रकार की घटनाओं की सत्यता पर अविश्वास के लिए कोई अवकाश नहीं बचेगा।

2–आंखों की प्रकाश किरणें रू– दृष्टि– नियम के अनुसार भौतिक प्रकाश की किरणें पहले वस्तु पर पड़ती हैं ,फिर वहॉ से परावर्तित होकर ऑखों तक जाती हैं। इसी प्रक्रिया के कारण दिखाई देने का कार्य संभव होता है। एक सच्चाई यह भी है कि शरीर में आत्मा का जो प्रकाश फैला होता है, उसकी किरणें ऑखों के सहारे प्रमुखता से विकीर्ण हुआ करती हैं। ये किरणें ऑखों में प्रमुखता से प्रकट होने वाली मनोभावना के रंग में रंग कर उसी के अनुरूप अपना प्रभाव प्रकट किया करती हैं। सामान्य मानव की तुलना में ऋषि–मुनियों,साधु–संन्यासियों, तपस्वियों एवं संयमियों की बंद ऑखों में इन किरणों की शक्ति एवं वेधन–गति क्षमता में अनंत गुनी अधिक होती है। जिस प्रकार वैज्ञानिक तकनीक के सहारे लेजर किरणों को शरीर के किसी भी भाग में प्रविष्ट करा कर शल्यक्रिया को संभव कर दिया जाता है, उसी प्रकार तपस्वी लोग अपनी मानसिक शक्ति के नियंत्रण में इन किरणों को रखकर इच्छित कार्यों को संपन्न किया करते हैं। कुंडलिनी–साधना में इस स्थिति को आज्ञाचक्र का जागरण कहते हैं।इसी क्षमता से संपन्न ऑखों को भगवान शिव का तृतीय नेत्र कहते हैं। यथार्थतरू जब तप, संयम, योग–साधना आदि से आज्ञाचक्र में संचित शक्ति भौतिक ऑखों में उतर कर असाधारण–अप्रत्याशित कार्य कर बैठती है तो लोग उसे तृतीय नेत्र का खुलना कहने लगते हैं। निश्चय ही कुछ ऐसी ही घटना ऋषि तृणविन्दु की कन्या के साथ भी घटित हुई थी। यह भावना कर लेने के बाद कि जिस किसी भी कन्या पर मेरी दृष्टि पड़ेगी वह गर्भवती हो जाएगी, ऋषि पुलस्त्य का सूक्ष्म काम–बीजाणु ऑखों में उतर आया रहा होगा। वही दृष्टि–किरणों के सहारे उस कन्या की कुक्षि के अंतर्भाग में पहुंच कर शिशु के रूप में विकसित हो गया होगा। कुंती के गर्भ में सूर्य आदि देवताओं के तेज–अंश का प्रविष्ट होकर शिशु–रूप में परिणत होना भी अध्यात्म विज्ञान के इसी नियम पर आधारित रहा होगा। महाराजा जनक का जन्म भी पिता निमि के मृत शरीर में खोजी गई किसी जीवित कोशिका द्वारा अध्यात्म विज्ञानी ऋषि–मुनियों के द्वारा संभव हुआ था।यह भी संभव है कि पिता निमि के मृत शरीर के किसी एक कोष–कण को वायु में विद्यमान चेतना के बीजाणु से चौतन्य करके केवल पिता द्वारा पुत्र (जनक)को जन्म दिया गया हो। प्राचीन भारतीय साहित्य में उल्लिखित घटनाएं तभी तक असंभव, असंगत, अविश्वसनीय एवं काल्पनिक लग सकती हैं, जब तक वर्तमान पदार्थ विज्ञान की विकास–यात्रा वहॉ तक पहुॅच नहीं जाती, जहॉ तक तत्कालीन अध्यात्म विज्ञान पहुॅचा हुआ था। इसलिए प्रबुद्ध जनों से आग्रह है कि आप सब निरपेक्ष भाव से भारतीय साहित्य का अध्ययन करें और उसमें विद्यमान सत्य को उद्घाटित करके जन सामान्य के समक्ष लाने का प्रयास करें।

विकिपीडिया का विवादों से पुराना नाता

इंटरनेट, 1965 का एक बहुत ही जटिल और क्रांतिकारी आविष्कार है, जिसने हमारी दुनिया को बदल दिया है। इंटरनेट को ष्एक वैश्विक संचार नेटवर्क के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें हजारों नेटवर्क शामिल हैं जो आमतौर पर फाइबर ऑप्टिक केबलिंग द्वारा परस्पर जुड़े होते हैं। मगर इसके समांतर सच यह भी है कि इंटरनेट की विस्तृत और एक अर्थ में कहें तो असीमित दुनिया में किसी खास विषय पर मौजूद जानकारी को पूरी तरह सही मान लेना अब एक जोखिम भरा काम हो गया है। शायद यही वजह है कि अब इंटरनेट पर खोजे गए किसी तथ्य की कई–कई स्रोतों से जांच और पुष्टि करने की जरूरत पड़ने लगी है। दरअसल, किसी खास मुद्दे पर जानकारी मुहैया कराने वाली कुछ वेबसाइटें अपनी सामग्री ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाती हैं, मगर उसके सही होने को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं होता। इस संदर्भ में विकिपीडिया को देखा जा सकता है, जहां किसी संदर्भ में कई बार विस्तृत जानकारी रहती है, मगर उसे तैयार करने से लेकर संपादित करने का जो ढांचा बनाया गया है, उसमें कब लिए कोई भ्रामक जानकारी दे दी जाए, कहा नहीं जा सकता। यहॉ दिल्ली हाईकोर्ट ने द्वारा लोकप्रिय और मुफ्त ऑनलाइन विश्वकोश विकिपीडिया को समाचार एजेंसी एएनआई की एंट्री में किए गए संपादन में जानकारी छिपाने के मामले में न्यायालय की अवमानना जारी करते हुए कोर्ट ने विकिपीडिया को भारतीय कानूनों का पालन न करने के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि, यदि आपको भारत पसंद नहीं है, तो कृपया भारत में काम न करें... हम सरकार से आपकी साइट को ब्लॉक करने के लिए कहेंगे।यह मामला एक समाचार एजंसी से जुड़ा है, जिसमें एजंसी ने विकिपीडिया पर उसके बारे में गलत जानकारी देने, कुछ पेज संपादित करने की इजाजत देने का आरोप लगाया गया है। यही नहीं, एजंसी को सरकार की ओर से झूठा प्रचार करने वाला औजार भी बताया गया। किसी वैश्विक संस्थान पर इतनी बड़ी टिप्पणी यू ही नही की गई है। यह तो तय है कि आज के समय पर वीकिपीडिया हर क्षेत्र के लिए ज्ञान का भण्डार है। प्रतियोगी परीक्षा से लेकर पढ़ाई व हर क्षेत्र में वीकिपीडिया का अपना महत्व है। इससे लोगों का भविष्य जुड़ा हैं। लेकिन गैर संपादित और अनर्गल जानकारी के कारण इसका विरोध किया जाता है तो यह जायज है। क्योकि गलत या असंपादित जानकारी ज्ञान की जगह अज्ञानता का प्रतीक बन जाती है। ऐसे में अगर ऑख बंद करके केवल वीकिपीडिया की जानकारी पर भरोसा किया जाएगा तो काफी हानिकारक हो सकता है। बहरहाल विकिपीडिया का विवादों से पुराना नाता रहा है। भले ही यह प्लेटफॉर्म दावा करता है कि कंटेंट का रिव्यू किया जाता है, लेकिन इसके कई पेजों में ऐसा कंटेंट पाया गया जो विवाद की वजह बना. पैगम्बर मोहम्मद, संयुक्त राज्य अमेरिका,खतना, यीशू, जाति और बुद्धिमता ऐसे कई पेज रहे हैं जिन पर विवादास्पद कंटेंट मिला। यही नही विकिपीडिया पर आरोप लगते रहे हैं कि यह भेदभाव करता है. इसके लिए दुनियाभर के वॉलंटियर लिखते हैं. ऐसे में सभी आर्टिकल को पढ़ना और यह जांचना मुश्किल है कि वो न्यूट्रल लिख रहे हैं या फैक्चुअल या फिर भेदभावपूर्ण तरीके से अपनी बात कह रहे हैं। विकिपीडिया पर गलत जानकारी देने के भी आरोप लगते रहे हैं ऐसा इसलिए क्योंकि कोई भी यूजर इसके आर्टिकल को एडिट कर सकता है. कई बार ये प्रैंक या जानबूझकर गलत जानकारी देने के लिए करते हैं। यही नही जनवरी 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि विकिपीडिया जैसे ऑनलाइन स्रोत क्राउड सोर्स्ड और यूजर जेनरेटेड एडिटिंग मॉडल पर आधारित हैं। यह पूरी तरह से भरोसेमंद नहीं हैं और भ्रामक जानकारी को बढ़ावा दे सकते हैं। जस्टिस सूर्यकांत और विक्रम नाथ की पीठ ने कहा कि यह उन प्लेटफार्मों की उपयोगिता को स्वीकार करता है जो दुनिया भर में ज्ञान तक मुफ्त पहुंच प्रदान करते हैं। मगर, कानूनी विवाद समाधान के लिए उन्होंने ऐसे स्रोतों का उपयोग करने के प्रति आगाह भी किया।कहा, "ज्ञान का खजाना होने के बावजूद हम ऐसा इस कारण से कहते हैं कि ये स्रोत क्राउड यानी भीड़ से मिली जानकारी और यूजर द्वारा उत्पन्न एडिटिंग मॉडल पर आधारित हैं। अकादमिक सत्यता के मामले में यह पूरी तरह से भरोसेमंद नहीं हैं। लिहाजा ये भ्रामक जानकारी को बढ़ावा दे सकते हैं।" विकिपीडिया को 2001 में अंग्रेजी में लॉन्च किया गया था, लेकिन आज यह 345 भाषाओं में उपलब्ध है. साल 2003 में इसे हिन्दी में लॉन्च किया गया. वर्तमान में विकिपीडिया पर कुल 6,878,780 आर्टिकल हैं। इंटरनेट की विस्तृत और जटिल दुनिया में किसी संदर्भ के सही या गलत होने की जांच करना और उसके तटस्थ होने को लेकर आश्वस्त होना बेहद मुश्किल काम हो जाता है। इस संदर्भ में विकिपीडिया को देखा जा सकता है, जहां किसी संदर्भ में कई बार विस्तृत जानकारी रहती है, मगर उसे तैयार करने से लेकर संपादित करने का जो ढांचा बनाया गया है,

विशाल जनसंख्या का देश के विकास और उपभोक्ता बाजार में कैसे हो संतुलन

संजीव ठाकुर

भारत की वर्तमान में जनसंख्या भारी–भरकम देश चीन की जनसंख्या से भी ज्यादा हो गई है। यानी कुल मिलाकर एक अरब चालीस करोड़ आबादी वाला भारत में जनसंख्या के बोझ तले विकास और उन्नति बेहद धीमी और अविकसित है। विकसित तथा समृद्ध राष्ट्र भारत की बड़ी जनसंख्या में एक संभावना वाला उपभोक्ता बाजार तलाशते हैं और इसे बहुत बड़ी पूंजी भी मानकर अपनी उपभोक्ता सामग्री भारत में बेचने का प्रयास करते हैं। केवल बाजार में निवेश और बाजारी ताकत ही विकास का पैमाना नहीं हो सकती है। बहुत बड़ी जनसंख्या सीमित संसाधनों को नष्ट कर देती है और विकास की धार को कमजोर करने का काम करती है। यदि हम जनसंख्या पर नियंत्रण करते हैं तो देश में बिजली, पानी की कमी बढ़ती महंगाई, फैलती विनाशकारी बेरोजगारी, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, अशिक्षा के फैलाव पर नियंत्रण, गरीब व्यक्ति को और गरीब होने से रोकने का प्रभावी तरीका तथा सांप्रदायिक दंगों पर रोक लगाई जा सकती है। कम और नियंत्रित जनसंख्या तेजी से विकास का पैमाना हो सकती है। हमें देश की विशाल जनसंख्या के साथ विकास और उपभोक्ता बाजार के संतुलन का समुचित मार्ग तलाशना होगा । 1951 से लेकर 81 तक भारत में जनसंख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है और इसे जनसंख्या विस्फोट का भी नाम दिया जा सकता है। संयुक्त राष्ट्र संघ में जनसंख्या के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने हेतु प्रत्येक वर्ष 11 जुलाई को जनसंख्या दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है। वर्तमान जनसंख्या का विशाल स्वरूप 1981 के बाद भारत में विशालतम हो गया है और आज की जो जनसंख्या का विस्फोट उसी की परिणति है। भारत में जनसंख्या

बढ़ने का प्रमुख कारण अशिक्षा, अंधविश्वास और घटती मृत्यु दर भी है। सीमित संसाधन कमजोर आर्थिक व्यवस्था के कारण देश में बेरोजगारी भ्रष्टाचार गरीबी महंगाई पानी तथा बिजली की कमी बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम ही हैं। यह तो अत्यंत निश्चित है यदि हम जनसंख्या पर नियंत्रण कर ले तो हम अपने विकास की गति को दोगुना कर सकते हैं। विकास के विभिन्न स्वरूपों को देखा जाए तो इसमें हम समावेशी विकास के रूप में देखकर आर्थिक विकास की उत्तर जनित राष्ट्रीय आय के विस्तृत नियोजन में समाज के सबसे गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को सही लाभ मिलने का नजरिया भी तलाशते हैं। जनसंख्या नियंत्रण कर गरीबी को नीचे से ऊपर की ओर सुधारने का काम हमें करना होगा और इसके लिए यह जरूरी है की कमजोर और वंचित वर्गों जिनमें महिला, वृद्ध, एससी, एसटी,श्रमिक आदि शामिल हैं को समुचित लाभ मिलना चाहिए। बच्चे आने वाले देश के नागरिकों के लिए उचित एवं आवश्यक शिक्षा की सुविधा मुहैया होनी चाहिए। वैसे जनसंख्या नियंत्रण ही विकास की समुचित धारा नहीं हो सकती हमें जनसंख्या के साथ सामाजिक आर्थिक सुरक्षा एवं सीमित संसाधनों के साथ तालमेल बिठाकर निरंतर आगे बढ़ना होगा लेकिन आवश्यकता संसाधनों के उचित दोहन नीतियों एवं कार्यक्रमों की है और आवश्यकता है नवाचार एवं उचित तकनीकी प्रौद्योगिकी की भी। वर्तमान में भारत विश्व में सबसे युवा आबादी वाला देश है उसके विपरीत चीन और जापान में निरंतर जनसंख्या में वृद्धों का अनुपात बढ़ रहा है इस तरह भारत में प्रचुर मानव संसाधन के स्रोत उपलब्ध हैं जिसका सही उपयोग करके भारत अपनी आर्थिक तथा सामरिक शक्ति को अत्यंत शक्तिशाली कर सकता है, इसके विपरीत भारत में विस्तृत रूप से गरीबी, बीमारियां, बेरोजगारी, जैसी विकराल समस्या में विद्यमान है। विश्व के कई कम आबादी वाले देश जैसे सोमालिया,लिथुआनिया आदि गरीबी, बेरोजगारी, आतंकवाद की समस्या से दो–चार हो रहे हैं और कम जनसंख्या के बावजूद विकास नहीं कर पा रहे हैं ।जबकि बहुत बड़ी जनसंख्या वाले देशों में चीन और अमेरिका विकसित राष्ट्रों की कतार में हैं एवं विकास के शीर्ष पर हैं। भारत के पास सभी संसाधन और विकसित होने के सारे अवयव हैं इसके बावजूद भारत विज्ञान, टेक्नोलॉजी मैं काफी पीछे होकर अशिक्षा, अंधविश्वास ,कृषि कार्यों का निम्न स्तर आर्थिक असमानता की समस्याएं झेल रहा है जो भारत के विकास में बाधक है। भारत में अब आज की व्यवस्था में जनसंख्या नियंत्रण तो होना ही चाहिए इसके साथ जरूरत है संसाधनों के उचित प्रयोग एवं सदुपयोग की। अब सोचने की हमारी बारी है क्या जनसंख्या नियंत्रण गरीबी दूर करने बेरोजगारी दूर करने दंगा रोकने की जिम्मेदारी सिर्फ शासन प्रशासन पर ही है ,हम आम नागरिकों की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती जबकि हम जानते हैं कि समस्याओं को उत्पन्न करने में हम ही लोग ज्यादा जिम्मेदार हैं हम लोग को यह समझना होगा कि समस्याओं से निपटने की हमारी भूमिका उतनी ही अहम है जितनी शासन–प्रशासन की। इसीलिए जनसंख्या नियंत्रण उपलब्ध संसाधनों के समुचित सही दोहन की जिम्मेदारी हम सब पर होती है इसमें समुचित सहयोग प्रदान करना होगा तब जाकर भारत एक विकसित राष्ट्र की श्रेणी में आकर खड़ा हो सकता है।

लैला मजनू' के अच्छा प्रदर्शन न करने पर दिल टूट गया था : तृप्ति डिमरी

"

तृप्ति डिमरी ने कहा, मैं हर दिन प्रशंसकों से इस फिल्म के लिए तारीफ सुनती हूं।यह एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसमें हम सभी ने पूरे दिल से मेहनत की थी। यह फिल्म हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखेगी। मुझे उम्मीद है कि यह दुनिया भर के दिलों को छूती रहेगी और इसके लिए लोगों का प्यार कभी कम नहीं होगा।

2018 में फिल्म लैला मजनू से अपनी शुरुआत करने वाली अभिनेत्री तृप्ति डिमरी ने बॉलीवुड में अपने छह साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि शुरुआत में इस फिल्म के अच्छा प्रदर्शन न करने के कारण मेरा दिल टूट गया था। अगस्त में फिल्म लैला मजनू को दोबारा रिलीज किया गया और इसने अच्छी कमाई की। इस बारे में अभिनेत्री ने कहा, "जब लैला मजनू ने अपनी पहली रिलीज पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, तो मैं बहुत दुखी हो गई थी। लेकिन अब यह देखना अविश्वसनीय है कि लोगों ने इसे कैसे अपनाया। साजिद अली द्वारा निर्देशित इस रोमांटिक ड्रामा को इम्तियाज अली ने प्रजेंट किया है। वहीं प्रीति अली, एकता कपूर और शोभा कपूर ने इसका निर्माण किया है। यह फिल्म लैला और मजनू की कहानी है। तृप्ति डिमरी ने कहा, मैं हर दिन प्रशंसकों से इस फिल्म के लिए तारीफ सुनती हूं।यह एक ऐसा प्रोजेक्ट था जिसमें हम सभी ने पूरे दिल से मेहनत की थी। यह फिल्म हमेशा मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखेगी। मुझे उम्मीद है कि यह दुनिया भर के दिलों को छूती रहेगी और इसके लिए लोगों का प्यार कभी कम नहीं होगा। अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अब राजकुमार राव के साथ "विक्की विद्या का वो वाला वीडियो" में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। वह कार्तिक आर्यन अभिनीत हॉरर–कॉमेडी फ्रैंचाइजी भूल भुलैया 3 में भी नजर आएंगी। इसके साथ ही वह धड़क 2 में भी नजर आएंगी। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर आगामी फिल्म का पहला लुक शेयर करते हुए लिखा, यह कहानी थोड़ी अलग है। एक बार एक राजा और एक रानी थे, दोनों अलग–अलग जातियों के थे। शाजिया इकबाल द्वारा निर्देशित, सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी अभिनीत 'धड़क 2',फिल्म 22 नवंबर को सिनेमाघरों में आएगी। फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी भी हैं। दोनों अलग–अलग दुनिया के किरदारों को निभाएंगे। यह फिल्ब्म शोषित जातियों के लोगों के खिलाफ भेदभाव के मुद्दे पर प्रकाश डालती है।धड़क' फ्रैंचाइज के पहले भाग में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। जिन्होंने ईशान खट्टर के साथ अभिनय किया था। यह फिल्म नागराज मंजुले द्वारा निर्देशित मराठी ब्लॉकबस्टर 'सैराट' से रूपांतरित की गई थी।"धड़क 2' सिनेमाघरों में 22 नवंबर को आने वाली है।

मीरा के बर्थडे पर रोमांटिक हुए शाहिद कपूर, बोले- मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा

मीरा राजपूत के शनिवार को 30 साल पूरे होने पर उनके पति और स्टार शाहिद कपूर काफी रोमांटिक हो गए। उन्होंने कहा बर्थडे गर्ल पूरी तरह से उनकी है और उन्हें अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा है। शाहिद ने अपनी पत्नी मीरा की कई तस्वीरें पोस्ट कर बेहद प्यार भरी बातें लिखी हैं। शाहिद ने अपने पोस्ट में जादुई और अंदर से खूबसूरत के रूप में टैग किया। पहली तस्वीर में मीरा लाल रंग के आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही है, अगली तस्वीरों में वह अपने परिवार के सदस्यों के साथ पोज दे रही थीं और आखिरी तस्वीरों में वह सिर्फ शाहिद के साथ नजर आई। एक्टर ने अपने पोस्ट में लिखा–वह जादुई है। वह अंदर से बाहर तक खूबसूरत है। वह मजबूत है, वह प्यार करती है और उसकी मुस्कान मेरे दिल को रोशन कर देती है। यह जन्मदिन की लड़की पूरी तरह से मेरी है और मुझे अपनी किस्मत पर विश्वास नहीं हो रहा है। जन्मदिन मुबारक हो, खूबसूरत लड़की। भगवान तुम्हें हमेशा और हमेशा आशीर्वाद दें, मेरा प्यार,। शाहिद और मीरा, जो स्टार से 13 साल छोटी हैं, ने 2015 में गुड़गांव में शादी की थी। उनकी मुलाकात धार्मिक समूह राधा स्वामी सत्संग ब्यास के जरिए हुई थी। कपल ने 2016 में अपनी बेटी मीशा का स्वागत किया। यह 2018 में था, जब उनके बेटे जैन का जन्म हुआ। काम के मोर्चे पर, शाहिद ने अपनी आगामी फिल्म ष्देवाष की शूटिंग पूरी कर ली है।

सोनू सूद ने अपने नए आवास पर बप्पा का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया

बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद ने गणेश चतुर्थी के अवसर पर मुंबई के जुहू स्थित अपने नए आवास श्गंगोत्री निवासश में बप्पा का स्वागत किया। उन्होंने अपने घर की एक दिल को छू लेने वाली कहानी साझा की है। सोनू सूद ने इस खास मौके पर सफेद कुर्ता पायजामा पहना हुआ था। जिसमें वह बेहद ही खूबसूरत लग रहे थे। सोनू ने पत्नी सोनाली और बेटे अयान और इशांत के साथ भगवान गणेश की आरती की। अपने नए घर के बारे में बात करते हुए, सोनू ने आईएएनएस को बताया, हमारे नए घर में पहली बार बप्पा को रखा गया है, और मैं यह कहना चाहूंगा कि जब मैं पेइंग गेस्ट था, तब मैंने इस जगह के आसपास से ही यात्रा शुरू की थी। और अब जब से मैं इस घर में आया हूं, मुझे लगता है कि बप्पा ने तय कर लिया था, वह इंतजार कर रहे थे, कि यात्रा यहीं से शुरू होगी, और अब यह यात्रा शुरू हो गई है। मैं प्रार्थना करूंगा कि बप्पा मुझे शक्ति देते रहें ताकि मैं लोगों की मदद करता रहूं। उन्होंने आगे कहा कि बप्पा के साथ मेरा सफर पिछले 25 सालों से चल रहा है और हर साल उन्होंने मुझे कई चीजें सिखाई है। उन्होंने मुझे बताया है कि आम लोगों से कैसे जुड़ना है। मैं प्रार्थना करूंगा कि मैं जीवन भर बप्पा के दिखाए रास्ते पर चलता रहूं। मैं लोगों से जुड़ने की कोशिश करूंगा, उनकी उम्मीद की किरण बनूंगा और उनकी मदद करता रहूंगा। सोनू ने यह कहते हुए अपनी बात समाप्त की, हम पांच दिनों के लिए गणपति लाए हैं। 26 साल हो गए हैं जब हम गणपति को घर ला रहे हैं और वे हमारे परिवार के ही सदस्य हैं। जब वे घर आते हैं तो हम बहुत उत्साहित होते हैं, घर का माहौल बदल जाता है। मैं खुद को धन्य मानता हूं कि मैं एक नए घर में शिफ्ट हो गया हूं और बप्पा यहां भी आए हैं। काम की बात करें तो सोनू एक्शन एंटरटेनर श्फतेहश में नजर आएंगे। इस फिल्म में जैकलीन फर्नांडीज मुख्य भूमिका में हैं। शक्ति सागर प्रोडक्शंस और जी स्टूडियो द्वारा निर्मित यह फिल्म साइबर अपराध की जटिलताओं और चुनौतियों के इर्द–गिर्द घूमती है। फिल्म में कुछ एक्शन सीक्वेंस भी दिखाए जाएंगे, जिन्हें हॉलीवुड स्टंट विशेषज्ञ ली व्हिटेकर की देखरेख में किया गया है।

अनुपमा के लिए रूपाली गांगुली का पुराना ऑडिशन टेप वायरल

भारतीय टेलीविजन पर सबसे ज्यादा रेटिंग वाले शो में से एक अनुपमा हाल ही में तब चर्चा में आया जब इसके एक प्रमुख अभिनेता ने शो छोड़ दिया। इस शो की मुख्य भूमिका अभिनेत्री रूपाली गांगुली निभा रही हैं, जो एक समर्पित माँ और पत्नी हैं, जो अपने आत्मसम्मान और परिवार के लिए लड़ती हैं। यह शो चार साल पहले 2020 में शुरू हुआ था और तब से यह टॉप चार्ट में बना हुआ है। अनुपमा से पहले, रूपाली ने साराभाई बनाम साराभाई सहित कई लोकप्रिय टेलीविजन शो में काम किया, लेकिन अभिनेत्री ने अनुपमा की मुख्य भूमिका के लिए ऑडिशन दिया है और उनके ऑडिशन का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। वायरल क्लिप में रूपाली को नारंगी रंग की साड़ी में देखा जा सकता है, जो शो में उनके किरदार से काफी मिलती–जुलती है। यह वीडियो शो और अभिनेत्री के प्रशंसकों के लिए एक बेहतरीन अनुभव है क्योंकि ऑडिशन में भूमिका के लिए उनका प्रदर्शन बहुत स्वाभाविक लग रहा था। ऑडिशन वीडियो में, रूपाली एक सीन कर रही हैं, जिसमें वह अपनी बेटी के साथ गंभीर बातचीत करती हैं। इस बीच, अभिनेता सुधांशु पांडे के चौंकाने वाले शो से बाहर होने के बाद अनुपमा चर्चा में थी, जिन्होंने रूपाली के पूर्व पति वनराज शाह की भूमिका निभाई थी। रूपाली गांगुली के अलावा, अनुपमा में मदालसा शर्मा, अपूर्व अग्निहोत्री, अल्पना बुच, अरविंद वैद्य, पारस कलनावत, आशीष मेहरोत्रा, मुस्कान बामने, शेखर शुक्ला, निधि शाह, अनघा भोसले और तस्नीम शेख शामिल हैं। रूपाली ने एक बार द रणवीर शो पॉडकास्ट पर बताया कि उन्हें यह भूमिका कैसे मिली और उस समय उन्हें इस बात की चिंता थी कि उन्हें यह भूमिका मिलेगी या नहीं।उन्होंने कहा– श्मुझे यकीन नहीं था कि वह मुझे कास्ट करेंगे, क्योंकि मैंने पहले शो में उन्हें बहुत परेशान किया था। पहली बात जो उन्होंने मुझसे पूछी, वह थी, श्क्या तुम बड़ी हो गई हो?श और मैंने कहा, श्हाँ, अब मेरा एक बच्चा हैश। और राजन जी ने मुझे कास्ट करने का फैसला किया। मुझे नहीं पता था कि शो का नाम अनुपमा है, जब तक कि इसका ट्रेलर नहीं आया। शो के अलावा, रूपाली इस साल की शुरुआत में 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हुईं और उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की।

अनन्या पांडे की क्लिप वायरल, यूजर्स बोले, कियारा आडवाणी की नकल की

फिल्म अभिनेत्री अनन्या पांडे की हाल ही में रिलीज हुए स्ट्रीमिंग शो कॉल मी बे का एक क्लिप सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस क्लिप पर यूजर्स ने प्रतिक्रिया दी। इस क्लिप के वायरल होने का कारण यह है कि यह बॉलीवुड कपल कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा की शादी से बिल्कुल मिलती–जुलती है। दोनों क्लिप में कई समानताएं हैं, जैसे कि अनन्या का मंडप में दूल्हे की ओर चलना, उनका डांस और दूल्हे का अपनी घड़ी की ओर इशारा करना, जैसा कि सिद्धार्थ ने अपनी शादी के दौरान किया था। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में अपनी प्रतिक्रिया दी। एक यूजर ने लिखा, कियारा और सिड। दूसरे ने लिखा, सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी कॉपीराइट की रिपोर्ट कर सकते हैं। तीसरे ने लिखा, वह कियारा–सिड की शादी की नकल क्यों कर रही हैं। एक यूजर ने लिखा, सबसे खराब रीक्रिएटेड वीडियो। कियारा आइकॉनिक थीं। कॉफी विद करण के एक एपिसोड के दौरान, सिड ने घड़ी के इशारे के पीछे का कारण बताते हुए कहा था कि, कियारा अपनी शादी के लिए बहुत देर से आई थीं, जिससे मेहमान नाराज हो गए थे। सिद्धार्थ और कियारा ने 7 फरवरी, 2023 को जैसलमेर के सूर्यगढ़ होटल में शादी की थी। उनकी शादी में उनके परिवार और इंडस्ट्री के करीबी दोस्त शामिल हुए थे, जिनमें मनीष मल्होत्रा, करण जौहर, जूही चावला और अन्य शामिल थे। उनके विवाह के वीडियो में कियारा को गुलाबी लहंगा पहने हुए दिखाया गया है। वह विवाह स्थल में प्रवेश करती हैं और इस पल को जीते हुए नाचती हैं। वीडियो में कियारा और सिद्धार्थ एक दूसरे को माला पहनाते हैं। उन पर फूल बरसाए जाते हैं। चारों तरफ जश्न का माहौल देखने को मिलता है।

दाग-धब्बों से छुटकारा पाने के लिए गुड़हल के फूलों से बना फेस पैक लगाएं, दूर होंगी कई स्किन प्रॉब्लम्स

बात जब स्किन की देखभाल की आती है तो हम सभी थोड़ा सा आलास करने लगते हैं। जिस वजह से कई सारी स्किन प्रॉब्लम्स होने लगती है। त्वचा को निखार लाने, झुर्रियां हाटने के लिए और मुंहासो से बचाव के लिए आप गुड़हल के फूलों का फेस पैक अप्लाई कर सकते हैं। जानें इसके अन्य फायदे–

अक्सर हम सभी एक्ने और दाग–धब्बो से परेशान रहते हैं। बिजी लाइफस्टाइल के चलते हम खुद की देखभाल नहीं कर पाते हैं। जिस वजह से कई तरह की स्किन समस्याएं होने लगती है। ऐसे त्वचा की देखभाल करना काफी जरुरी होता है। वैसे तो स्किनकेयर के लिए कई तरह–तरह के प्रोड्क्ट्स बाजार में उपलब्ध है लेकिन प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करना बेहतर होता है क्योंकि, स्किन केयर प्रोडक्ट्स में कई तरह के हानिकारक केमिकल्स पाए जाते हैं, जो स्किन के लिए सेफ नहीं है। नेचुरल तरीके स्किन केयर किया जा सकता है। आप चाहे तो त्वचा को ग्लोइंग बनाने के लिए गुड़हल के फूलों का इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको बता दें कि, गुड़हल के फूलों में एंटीऑक्सीडेंट्स अधिक मात्रा में पाई जाती है। गुड़हल का फूल त्वचा को एक्सफोलिएट कर और डेड स्किन सेल्स को रिमूव करता है। कैसे बनाएं गुड़हल के फूलों का फेस पैक।

गुड़हल के फूलों का फेस पैक लगाने के फायदे–

स्किन रैशेज दूर होते हैं

मानसून में त्वचा संक्रमण की वजह से कई बार स्किन पर रैशेज हो जाते हैं। रैशेज से छुटकारा पाने के लिए आप गुड़हल के फूलों फेस पैक अप्लाई कर सकते हैं। गुड़हल के फूलों से बना फेस पैक, रैशेज से राहत मिलती है। अगर इस मौसम में आप भी स्किन रैशेज से परेशान हैं, तो इस फेस पैक का जरुर इस्तेमाल करें।

दाग–दब्बों से छुटकारा मिलेगा

त्वचा की बेहतर देखभाल न करने से स्किन पर दाग–धब्बे होने लगते हैं। अगर आपके चेहरे या बॉडी के किसी अन्य स्थान पर दाग–धब्बे हो रखे हैं, तो आप गुड़हल के फूलों का फेस पैक अप्लाई करें। आपको बता दें कि, गुड़हल के फूलों में मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट्स, हारपरपिग्मेंटेशन को कम करता है। इससे त्वचा के दाग–धब्बे मिट सकते हैं।

डल और बेजान त्वचा से निजात पाएं

इस मौसम में अक्सर स्किन डल और बेजान नजर आने लगती है। ऐसे में आप बेजान त्वचा से छुटकारा पाने के लिए गुड़हल के फूलों का फेस पैक अप्लाई करें। गुड़हल के फूल, स्किन में इलास्टिन और कोलेजन को बढ़ाता है। अगर आप इस पैक को चेहरे पर लगाते हैं तो ड्राई स्किन समस्या भी दूर हो जाएगी।

एक्ने से बचाए

इस मौसम में ऑयली स्किन हो जाती है जिस वजह से एक्ने, फोड़े–फुंसियों की समस्या आम हो जाती है। ऐसे में आप एक्ने से बचने के लिए गुड़हल के फूलों का फेस पैक लगा सकते हैं। गुड़हल का फूल, मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने का काम करते हैं। इसके इस्तेमाल से पिपंल्स और एक्ने नहीं बनते हैं।

गुड़हल के फूलों से कैसे बनाएं फेस पैक?

सबसे पहले आप 3–4 गुड़हल के फूल लें। इन फूलों को अच्छे से पीस लें। अब इसमें मुल्तानी मिट्टी और गुलाब जल मिक्स करें। आप इस फेस पैक को चेहरे पर अप्लाई कर सकते हैं। इसे आप 10–15 मिनट बाद चेहरे को पानी से साफ कर लें। गुड़हल फेस पैक को आप सप्ताह में 1–2 बार कर सकते हैं।

बच्चे के पेट में हो गए है कीड़े, तो अपनाएं ये 5 आसान उपाय

क्या आपके बच्चे के पेट में कीड़े की समस्या हो रही है? ये एक सामान्य लेकिन परेशान करने वाली समस्या हो सकती है, और हमें इसके बारे में सही जानकारी होना बहुत जरूरी है। बच्चों की सेहत पर ध्यान देना हर माता–पिता की पहली जिम्मेदारी है।

कई बार, बच्चे न समझदारी से काम नहीं करते और इस वजह से उन्हें पेट में कीड़े जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप अपने बच्चे के पेट में कीड़े की समस्या को रोक सकते हैं और उसे स्वस्थ रख सकते हैं। हम पांच आसान और कारगर उपाय शेयर करेंगे, जो आपके बच्चे की सेहत को बेहतर बनाएंगे। तो चलिए, शुरू करते हैं और जानते हैं कि कौन से वो 5 उपाय हैं, जो आपके बच्चे की सेहत को बनाएंगे बेहतरीन।

साफ–सफाई पर ध्यान दे

स्वच्छता की आदतें बच्चों को कीड़ों के संक्रमण से बचाने में बेहद महत्वपूर्ण होती हैं। बच्चों को सिखाएं कि खाना खाने और बाहर खेलने के बाद हाथ–पैरों को अच्छे से साबुन से धोना चाहिए। गंदगी और बैक्टीरिया से बचाव के लिए यह एक जरूरी कदम है। हाथ धोने की आदत से बच्चे न केवल कीड़ों से बल्कि अन्य संक्रमणों से भी बच सकते हैं। बच्चे को नियमित रूप से हाथ धोने के महत्व को समझाएं और उसे स्वच्छता के बारे में प्रेरित करें। आप बच्चों के लिए आकर्षक और रंगीन साबुन भी इस्तेमाल कर सकते हैं, ताकि वे हाथ धोने में रुचि दिखाएं।

स्वच्छ पानी और खाना ही दें

पेट में कीड़ों की समस्या का एक बड़ा कारण दूषित पानी और खाना हो सकता है। इसलिये बच्चों को हमेशा साफ और फिल्टर किया हुआ पानी दें। इसके अलावा, भोजन को अच्छी तरह से धोना और उसे ताजे और सुरक्षित तरीके से तैयार करना भी महत्वपूर्ण है। बासी और खराब भोजन से बचने की कोशिश करें, ताकि आपके बच्चे का पेट स्वस्थ रहे। घर में एक पानी का फिल्टर इंस्टॉल करें और बच्चों को सिखाएं कि बाहर से आने पर हमेशा पानी पीने से पहले उसकी स्वच्छता की जांच करें।

घर की साफ–सफाई पर ध्यान दें

घर की स्वच्छता न केवल आपके बच्चे के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि यह कीड़ों के संक्रमण को भी कम करती है। नियमित रूप से घर, किचन, और बाथरूम की सफाई करें। गंदगी और अव्यवस्था से कीड़े जल्दी फैलते हैं, इसलिए घर की सफाई को एक आदत बनाएं। सप्ताह में कम से कम एक बार पूरे घर की गहरी सफाई करें और कीटाणुनाशक का प्रयोग करें, ताकि घर हमेशा साफ और स्वस्थ रहे।

बाहर नंगे पैर न चलने दें

गंदगी भरी जगहों पर नंगे पैर चलने से बच्चों को कीड़ों का खतरा होता है। बाहर खेलते समय बच्चों को हमेशा जूते पहनाएं, ताकि वे गंदगी और कीटाणुओं से सुरक्षित रह सकें। यह एक साधारण लेकिन प्रभावी तरीका है जो बच्चों को कीड़ों के संपर्क से बचाता है। इस बात पर ध्यान दे कि बच्चों के जूते सही आकार के हों और खेलकूद के दौरान उन्हें आरामदायक लगें, ताकि वे जूते पहनने में सहज महसूस करें।

हेल्दी डाइट को पहल दें

संतुलित और पौष्टिक आहार बच्चे की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। एक अच्छा इम्यून सिस्टम संक्रमण से लड़ने में सक्षम होता है, जिससे पेट में कीड़े लगने का जोखिम कम हो जाता है। अपने बच्चे की डाइट में फल, सब्जियां, डेयरी प्रोडक्ट्स और साबुत अनाज शामिल करें। बच्चों को विभिन्न रंग–बिरंगे फल और सब्जियां खाने के लिए प्रेरित करें। उन्हें हेल्दी स्नैक्स जैसे ताजे फलों का सेवन कराएं और जंक फूड से दूर रखें। इन उपायों को अपनाकर और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाकर, आप अपने बच्चे को पेट के कीड़ों के खतरे से बचा सकते हैं। हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि अगर बच्चे को कीड़े की समस्या हो, तो समय पर चिकित्सा देखभाल प्राप्त करें और डीवर्मिंग प्रोटोकॉल का पालन करें। सतर्कता, शिक्षा और स्वस्थ आदतों के साथ, आप अपने बच्चे के स्वास्थ्य और खुशहाली को सुनिश्चित कर सकते हैं।

सफेद बालों से नहीं होना पड़ेगा परेशान, अगर इस तरह करेंगे आंवले का इस्तेमाल

बालों का सफेद होना और कमजोर होना एक सामान्य समस्या है, जिसे हर उम्र के लोग अनुभव कर सकते हैं। बाजार में बालों के काले करने के लिए कई केमिकल युक्त प्रोडक्ट मौजूद हैं, लेकिन इनका लगातार उपयोग बालों को नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में एक नेचुरल और साइड इफेक्ट–फ्री उपाय के रूप में आंवला को अपनाया जा सकता है। आंवला के उपयोग से बालों को काला करने के साथ–साथ उनकी मजबूती और चमक भी बढ़ाई जा सकती है। आइए जानते हैं कि आंवला का किस तरह इस्तेमाल करके आप सफेद बालों से निजात पा सकते हैं और इस उपाय के कोई साइड इफेक्ट्स नहीं हैं।

आंवला का पेस्ट

आंवला का पेस्ट बनाकर इसे बालों की जड़ों में लगाना एक प्रभावी उपाय है। इसके लिए आंवला को कद्दूकस कर लें और इसे एक चम्मच दही के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को बालों की जड़ों पर अच्छे से लगाएं और 30 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे बालों को काला करने के साथ–साथ उन्हें मजबूत भी किया जा सकता है।

आंवला और नारियल तेल

नारियल तेल में आंवला का तेल मिलाकर इसका प्रयोग भी फायदेमंद होता है। इसके लिए नारियल तेल में आंवला का पाउडर डालकर इसे धीमी आंच पर गरम करें। फिर इस मिश्रण को ठंडा होने के बाद अपने बालों में लगाएं और एक घंटे के लिए छोड़ दें। इसके बाद बालों को शैम्पू से धो लें। इस विधि से बालों की रंगत बढ़ेगी और बालों की स्थिति में सुधार होगा।

आंवला का जूस

आंवला का जूस भी बालों के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। इसे प्रतिदिन एक गिलास पिएं। इससे आपके शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलेंगे, जो बालों को अंदर से स्वस्थ बनाएंगे। आंवला का जूस पीने से बालों के सफेद होने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है और बालों की चमक भी बढ़ सकती है।

आंवला के फायदे

विटामिन सी का अच्छा स्रोत, आंवला में भरपूर मात्रा में विटामिन ब होता है, जो बालों को स्वस्थ रखने के लिए आवश्यक है। अवशोषण में सुधार यह बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और उनके अवशोषण को सुधारता है। एंटीऑक्सीडेंट गुण आंवला में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो बालों को समय से पहले बुढ़ापे से बचाते हैं और उनकी चमक को बनाए रखते हैं।

सावधानिया

सही मात्रा में उपयोग करें आंवला का अत्यधिक उपयोग भी त्वचा पर प्रतिक्रिया कर सकता है, इसलिए उचित मात्रा में ही इसका उपयोग करें। किसी भी नए उत्पाद का उपयोग करने से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। इस तरह, आंवला का उपयोग करने से आप बिना किसी साइड इफेक्ट के अपने बालों की समस्याओं को दूर कर सकते हैं। यह प्राकृतिक उपाय न केवल बालों को काला करने में मदद करता है बल्कि उन्हें स्वस्थ और मजबूत भी बनाता है।

परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक के लिए एक्ट्रेसेस के लुक से लें आइडिया, लगेंगी रूप की रानी

महिलाएं शादी या अन्य किसी फंक्शन में परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक पाने के लिए लहंगा वियर करना पसंद करती हैं। लहंगे में महिलाएं बेहद खूबसूरत लगती हैं और लुक भी सबसे अलग होता है। वहीं आप भी यदि शादी में पहनने के लिए एक्ट्रेसेस की तरह परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक चाहती हैं, तो हम आपको कुछ बॉलीवुड अभिनेत्रियों के लहंगा लुक्स के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप भी इनके लुक्स से आइडिया लेकर शादी के अलावा अन्य कई फंक्शन में कैरी कर सकती हैं।

गोल्डन लहंगा

परफेक्ट ट्रेडिशनल लुक के लिए गोल्डन लहंगा बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। इस तरह के लहंगे में एम्ब्रायडरी की गई है। आप हल्दी या फिर रिसेप्शन के दौरान इस लहंगे को वियर कर सकती हैं। वहीं आप एक्ट्रेस पूजा हेगड़े के लुक से इस लहंगे को स्टाइल करने का आइडिया ले सकती हैं। आप इसके साथ झुमके या चोकर स्टाइल वाली ज्वेलरी कैरी कर सकती हैं। आप मार्केट या फिर किसी डिजाइनर से सिलवा सकती हैं। मार्केट में आपको यह लहंगा 3000 रुपए तक में आसानी से मिल जाएगा।

पेस्टल लहंगा

इस तरह के लहंगे को आप शादी जैसे फंक्शन में कैरी कर सकती हैं। आप इस आउटफिट के साथ कुंदन वर्क वाली ज्वेलरी और हील्स वाली फुटवियर पहन सकती हैं। बता दें कि इस तरह के लहंगे आप ऑनलाइन और ऑफलाइन में 5,000 रुपए तक में आसानी से मिल जाएंगे। वहीं आप चाहें तो इस तरह के लहंगे को डिजाइन भी करवा सकती हैं।

फिश टेल स्कर्ट

अगर आप भीड़ में अगल नजर आना चाहती हैं, तो आप फिश टेल स्कर्ट भी वियर कर सकती हैं। बता दें कि इस तरह के आउटफिट के साथ आप कुंदन वर्क वाली ज्वेलरी के साथ झुमके स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में इस तरह के लहंगे आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन में 3000 से 5000 रुपये के बीच में मिल जाएंगे।

संक्षिप्त

गूगल पर एक और मुकदमा, विज्ञापनों के एकाधिकार का मामला

गूगल के सर्च इंजन को एक न्यायाधीश द्वारा अवैध एकाधिकार वाला बताए जाने के करीब एक महीने बाद प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी को उसकी विज्ञापन तकनीक को लेकर एक और मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। न्याय विभाग और राज्यों का तर्क है कि गूगल ने ऑनलाइन प्रकाशकों को विज्ञापनदाताओं से मिलाने वाली तकनीक पर एकाधिकार बनाया है और उसे कायम रखा है। सरकार ने अदालती दस्तावेजों में तर्क दिया है कि लेन–देन के खरीद और बिक्री दोनों पक्षों को लेकर सॉफ्टवेयर पर प्रभुत्व रखने से गूगल को प्रकाशकों और विज्ञापनदाताओं के बीच बिक्री के लिए दलाली करने पर एक डॉलर पर 36 सेंट तक अर्जित करने में मदद मिलती है। गूगल का कहना है कि सरकार का मामला पुराने जमाने के इंटरनेट पर आधारित है, जब डेस्कटॉप कंप्यूटर का बोलबाला था और इंटरनेट उपयोगकर्ता यूआरएल फील्ड में बड़ी सावधानी से सही–सही वर्ल्ड वाइड वेब पता टाइप करते थे। विज्ञापनदाताओं के अब दर्शकों तक पहुंचने के लिए टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया कंपनियों या पीकॉक जैसी स्ट्रीमिंग टीवी सेवाओं की ओर रुख करने की अधिक संभावना रहती है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार हाल के वर्षों में, कैलिफोर्निया के माउंटेन व्यू से संचालित दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी के विभाग 'गूगल नेटवर्क' की आय में गिरावट देखी गई है, जो 2021 में 31.7 अरब अमेरिकी डॉलर से घटकर 2023 में 31.3 अरब अमेरिकी डॉलर रह गई है। गूगल नेटवर्क के तहत 'एडसेंस' और 'गूगल ऐड मैनेजर' जैसी सेवाएं शामिल हैं, जो इस मामले के केंद्र में हैं। गूगल के एकाधिकार को लेकर यह मुकदमा वर्जीनिया के एलेक्जेंड्रिया में सोमवार को शुरू हुआ।

अदाणी ग्रीन ने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड भुनाए

अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने अपने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड को भुनाने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। एजीईएल ने अपने 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर के बॉन्ड को शीघ्र भुनाने की योजना की जनवरी में घोषणा की थी। ये इस सितंबर में परिपक्व हो रहे थे। एजीईएल उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह की अक्षय ऊर्जा कंपनी है। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने ''आठ सितंबर 2024 को देय सभी बकाया 75 करोड़ अमेरिकी डॉलर 4.375 प्रतिशत होल्डको 'नोट्स' को भुना लिया।'' यह वित्तपोषण कंपनी के प्रवर्तकों को 9,350 करोड़ रुपये (1.12 अरब डॉलर) के तरजीही आवंटन के तहत धनराशि प्राप्त होने के साथ पूरा हुआ। इसके अलावा, एजीईएल के प्रवर्तकों ने दिसंबर 2023 में 9,350 करोड़ रुपये की राशि के तरजीही वारंट की सदस्यता लेने पर सहमति व्यक्त की थी, जिसमें से 7,013 करोड़ रुपये (83.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के समतुल्य) एजीईएल के पास किसी भी त्वरित पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को वित्तपोषित करने के लिए उपलब्ध होंगे। एजीईएल के पास वर्तमान में 11.2 गीगावाट का अक्षय ऊर्जा खंड है। यह भारत में सबसे बड़ा है और 12 राज्यों में फैला हुआ है।

स्पाइसजेट के अजय सिंह ने लिया बड़ा फैसला, फंड जुटाने के लिए एयरलाइन में 10प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेचने की संभावना

स्पाइसजेट के चेयरमैन अजय सिंह ने कंपनी को वित्तीय संकट से बाहर निकालने के लिए बड़ा फैसला किया है। वित्त पोषण के दौर में कंपनी काफी संघर्ष कर रही है। स्पाइसजेट लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक अजय सिंह एयरलाइन ऑपरेटर में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी बेच सकते हैं। यह कदम सितंबर के अंत तक पूरा होने वाले अपने नवीनतम फंडिंग दौर के तहत उठाया जा सकता है। मामले से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी है। बजट एयरलाइन ऑपरेटर फाइनेंशियल संकट, कानूनी लड़ाई और विमानों के ग्राउंडिंग सहित कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी अपने विभिन्न

वित्तीय दायित्वों को पूरा करने के लिए धन जुटाने की कोशिश कर रही है। शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद स्पाइसजेट लिमिटेड के शेयर 2.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61.46 रुपये पर बंद हुए, जबकि पिछली बार बाजार बंद होने पर शेयर 62.99 रुपये पर बंद हुए थे। रिपोर्ट में उद्धृत एक सूत्र के अनुसार, यदि कुछ शर्तें पूरी होती हैं तो सिंह कंपनी में 15 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच सकते हैं। रिपोर्ट में उद्धृत एक अन्य सूत्र के अनुसार, सिंह एयरलाइन ऑपरेटर में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगे, क्योंकि फंड की मात्रा बढ़ सकती है। सुझाए गए क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के लिए 2,000 करोड़ रुपये तक की प्रतिबद्धता है और एयरलाइन संभावित निवेशकों के साथ चर्चा कर रही है। एजेंसी की रिपोर्ट में उद्धृत सूत्रों के अनुसार, भारत और विदेश दोनों में बैठकें आयोजित की गई हैं। एजेंसी के अनुसार, स्पाइसजेट ने इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी नहीं की। रिपोर्ट में कहा गया है कि फंडिंग का दौर सितंबर के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है। बीएसई के आंकड़ों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि जून 2024 के अंत तक प्रमोटर समूह के पास कंपनी में 47 प्रतिशत से थोड़ी अधिक हिस्सेदारी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी वर्तमान में 20 विमानों के बेड़े का संचालन कर रही है, जबकि 2019 में उसके पास 74 विमान थे। एजेंसी ने एयरलाइन की प्रस्तुति के हवाले से बताया कि 6 सितंबर को स्पाइसजेट ने कहा कि उसकी क्यूआईपी, वारंट और प्रमोटर द्वारा पूंजी निवेश से 3,200 करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक जुटाने की योजना है।

विमेंस क्रिकेट टीम एनसीए के स्किल कैंप में हिस्सा लेगी

वर्ल्ड कप से पहले 10 दिन की ट्रेनिंग, 24 सितंबर को यूएई के लिए रवाना होगी

टी–20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम नेशनल क्रिकेट एकेडमी, बेंगलुरु में 10 दिन के स्किल कैंप में हिस्सा लेगी। हेड कोच अमोल मजूमदार 10 सितंबर से शुरू हो रहे इस कैंप की निगरानी करेंगे। अगले महीने यूएई में होने वाले विमेंस वर्ल्ड कप में भारत का पूरा स्क्वॉड यास्तिका भाटिया और श्रेयांका पाटिल जो चोट से उबार रहे हैं उनके साथ रिजर्व प्लेयर इसमें भाग लेंगे। यास्तिका, श्रेयांका चोट से ठीक हुए क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक विमेंस क्रिकेट टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया घुटने की चोट तो ऑफ स्पिनर श्रेयांका पाटिल फिंगर फ्रैक्चर से ठीक हो गए हैं। वो दोनों छ८। में कल टीम को ज्वाइन करेंगे। यास्तिका को इसी साल मार्च में बांग्लादेश के खिलाफ 5 मैचों की टी–20 सीरीज के पहले मैच में घुटने में चोट लगी थी, तब से वे छ८। में अपना इलाज करवा रही हैं। वहीं श्रेयांका को हाल ही में हुए एशिया कप के पहले मैच में पाकिस्तान के खिलाफ बाएं हाथ में चोट लगी थी। इंट्रा–स्क्वॉड मैच खेलेगी टीम वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए विमेंस टीम कुछ इंट्रा–स्क्वॉड गेम भी खेलेगी। जो एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के अलूर में खेला जाएगा। जहां लाइट की व्यवस्था न होने की वजह से भारतीय टीम को ये मैच में दिन में खेलने होंगे। जबकि 2020 वर्ल्ड कप के रनर–अप को 6 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ मैच को छोड़कर, अपने चार ग्रुप ए खेलों में से 3 मैच रात को खेलने होंगे। 24 सितंबर को UAE के लिए रवाना होगी टीम इंट्रा–स्क्वॉड मैच के बाद भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को 4 दिन का ब्रेक मिलेगा। जिसके बाद मुंबई एयरपोर्ट से UAE के लिए रवाना होगी।

वर्ल्ड कप के लिए विमेंस टीम

4 अक्टूबर को भारत का पहला मैच विमेंस टीम अपने वर्ल्ड कप अभियान की शुरुआत 2 वॉर्म–अप मैच से करेगी। पहला प्रैक्टिस मैच 29 सितंबर को वेस्टइंडीज से जबकि दूसरा 1 अक्टूबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ दुबई के प्ब एकेडमी में खेला जाएगा। भारत वर्ल्ड कप का पहला मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई में खेलेगा। जबकि 6 अक्टूबर को आर्च–राइवल पाकिस्तान से भिड़ेगा। ग्रुप–ए का आखिरी मैच भारत डिफेंडिंग चौम्पियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शारजहां में 13 अक्टूबर को खेलेगा।

अब तक के विमेंस टी–20 वर्ल्ड कप में भारत का प्रदर्शन

10 टीमें टी–20 वर्ल्ड कप में लेंगी हिस्सा न।म में विमेंस टी–20 वर्ल्ड कप 3 से 20 अक्टूबर तक खेला जाना है। इस वर्ल्ड कप में 10 टीमें हिस्सा लेंगी। 18 दिनों में 23 मैच आयोजित किए जाएंगे। भारत ग्रुप ए में 6 बार की चौंपियन ऑस्ट्रेलिया के साथ है। इसके अलावा इस ग्रुप में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और क्वालिफायर से आई एक टीम शामिल है। वहीं मेजबान बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और क्वालिफायर–2 टीम ग्रुप बी में है। इस ग्रुप के सभी मैच ढाका में खेले जाएंगे।

दिग्गज कंपनी वोक्सवैगन पहली बार जर्मनी में फैक्ट्री करेगी बंद

जर्मन की मशहूर वाहन निर्माता कंपनी वोक्सवैगन जल्द ही अपनी फैक्ट्रियों को बंद करने की योजना बना रही है। जर्मनी में वोक्सवैगन की फैक्ट्रियों को बंद किया जाएगा। कंपनी ने ये फैसला लिया है। कंपनी ने कहा कि यह उसके 87 साल के इतिहास में पहली बार होगा कि वह देश में परिचालन बंद करेगी, हालांकि, वह परिचालन लागत में कटौती करने और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए यह निर्णय ले रही है। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, वाहन निर्माता कंपनी हाल ही में कुछ कठिनाइयों का सामना कर रही है और यह निर्णय न केवल उसके कर्मचारियों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि इसने जर्मन राजनेताओं के बीच भी चिंता उत्पन्न कर दी है। घट रहा कंपनी का घरेलू बाजार हाल ही में कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सीईओ ओलिवर ब्लूम ने कहा कि कंपनी को तीन दशक पहले ली गई नौकरी सुरक्षा प्रतिज्ञा को समाप्त करना होगा, जिसके तहत 2029 तक छंटनी पर रोक लगाई गई थी। फर्म के प्रबंधन ने कहा कि फर्म के मुख्य ब्रांड को 2026 तक लागत बचत में 10 बिलियन यूरो तक पहुंचने की आवश्यकता है क्योंकि कंपनी के पास अब अपनी आवश्यकताओं की तुलना में अधिक कारखाना क्षमता है और यूरोप में कार बाजार कोविद–19 महामारी से पहले की तुलना में छोटा हो गया है। फर्म ने कहा कि कम इस्तेमाल की जाने वाली असेंबली लाइनों को बनाए रखना एक महंगा काम है। यूरोपीय लोग 2019 से पहले की तुलना में प्रति वर्ष लगभग 2 मिलियन कारें कम खरीद रहे हैं, जब बिक्री 15.7 मिलियन तक पहुंच गई थी। चूंकि कंपनी यूरोप में घरेलू बाजार के लगभग एक–चौथाई हिस्से पर नियंत्रण रखती है, इसका मतलब है कि, हमारे पास 500,000 कारों की कमी है, जो लगभग दो संयंत्रों के बराबर है, यह बात कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी अर्नो एंटलिट्ज़ ने कंपनी के कर्मचारियों से बात करते हुए कही। सीएफओ ने कहा कि और इसका हमारे उत्पादों या खराब बिक्री प्रदर्शन से कोई लेना–देना नहीं है। बाजार अब बस मौजूद नहीं है।

लागत में कटौती

इस बीच, वर्ष की पहली तिमाही में वोक्सवैगन समूह का परिचालन लाभ घटकर 10.1 बिलियन यूरो रह गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 11 प्रतिशत कम है। समूह के लक्जरी ब्रांडों जैसे पोर्श, लेम्बोर्गिनी और ऑडी ने वोक्सवैगन मॉडलों की तुलना में बेहतर बिक्री की सूचना दी। वोक्सवैगन जर्मनी में 10 असेंबली और पार्ट्स संयंत्र संचालित करता है, जहां इसके वैश्विक कर्मचारी संख्या 684,000 में से 120,000 कर्मचारी हैं। कंपनी ने इससे पहले कभी भी जर्मनी में कोई कारखाना बंद नहीं किया है। लागत में कमी लाने के लिए समूह के मुख्य ब्रांड और जर्मनी में इसके श्रमिकों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसका मुख्य कारण यह है कि देश में वोक्सवैगन यात्री कार प्रभाग ने 1 बिलियन का अधिकांश हिस्सा अर्जित किया था, जिसे नौकरियों की खरीद और पुनर्गठन लागत के लिए अलग रखा गया था।

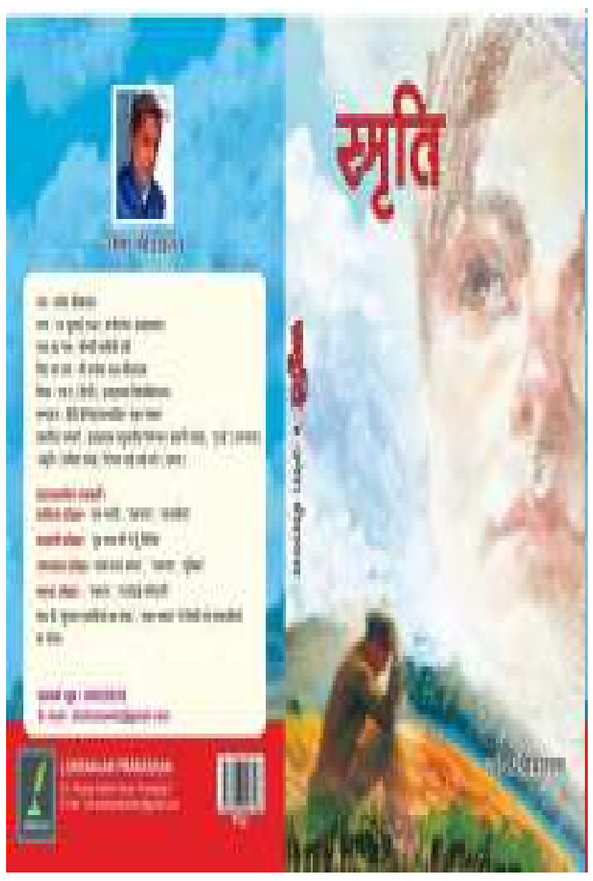

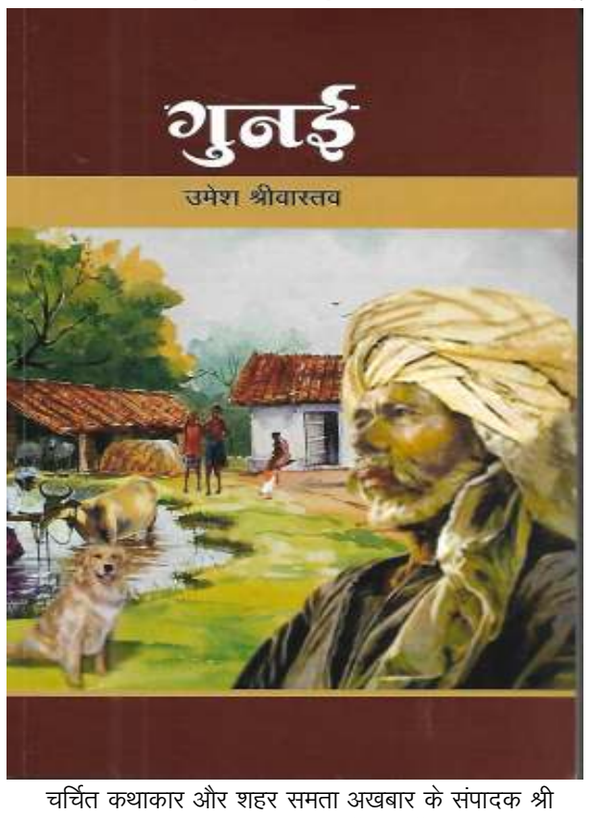

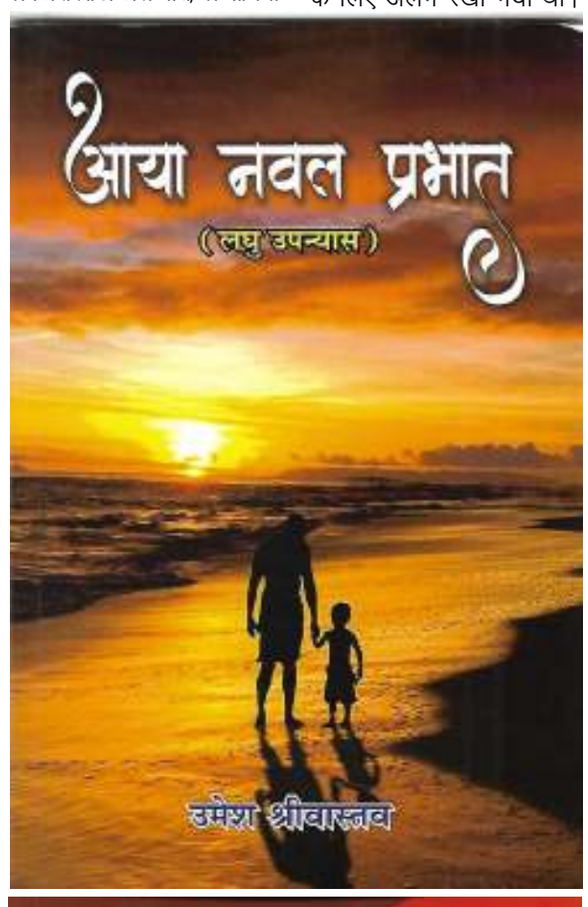

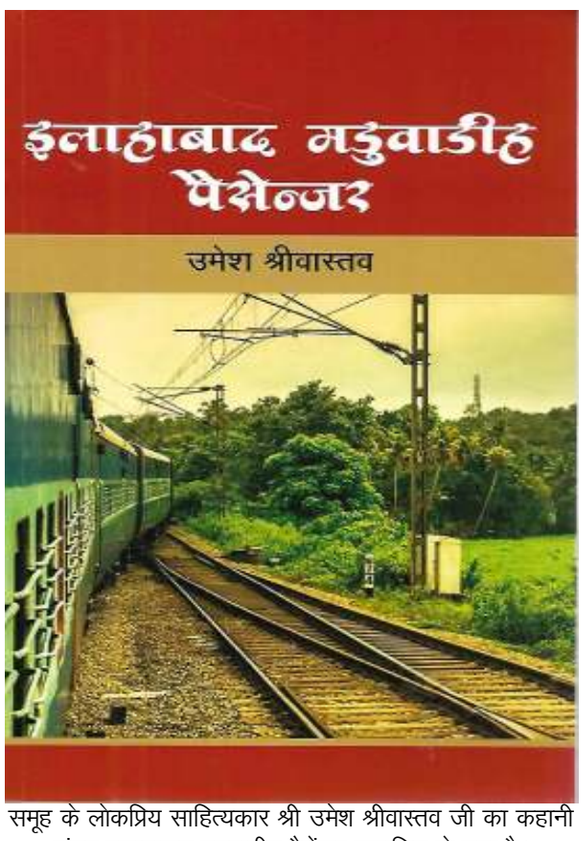

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

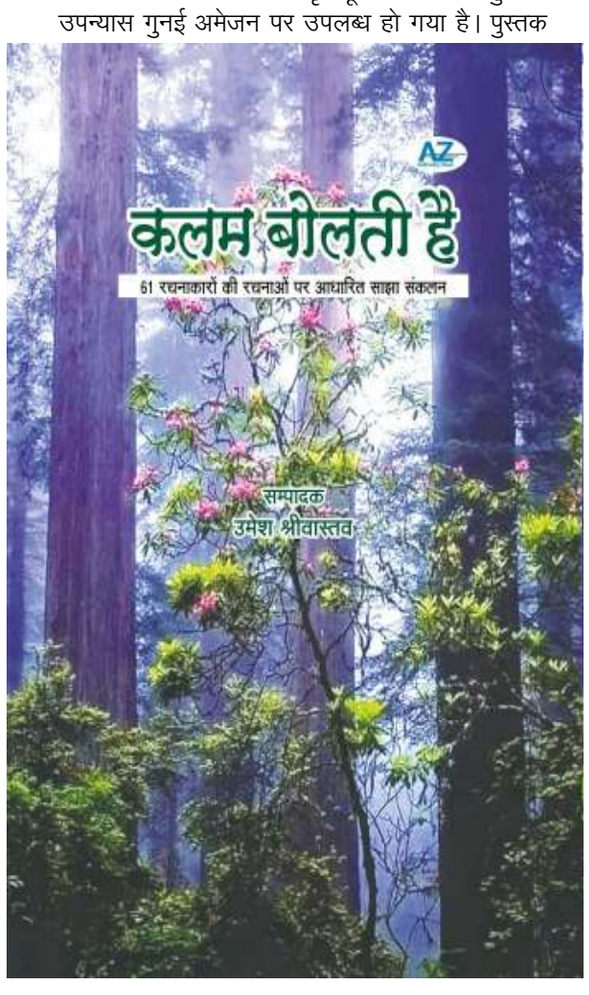

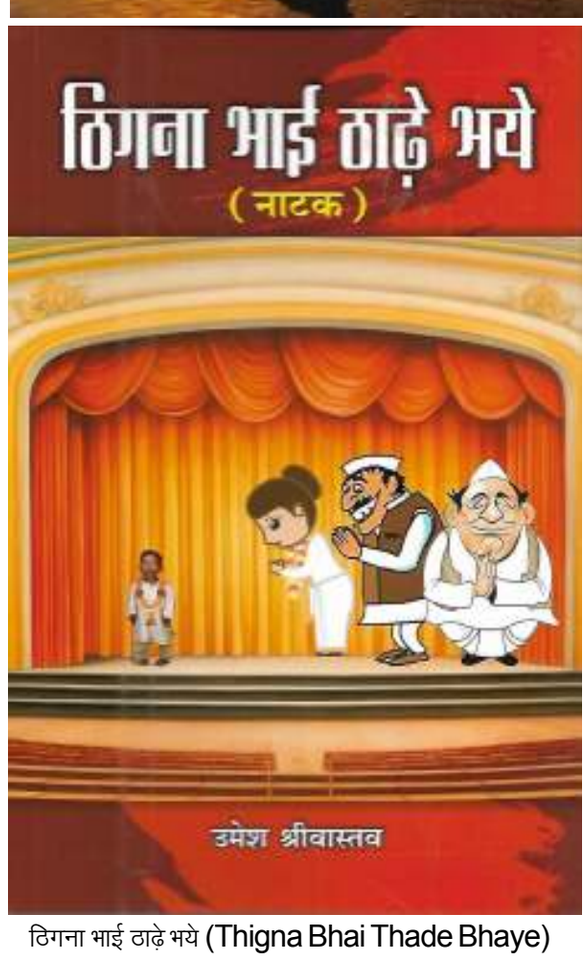

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

वियतनाम में यागी तूफान से तबाही के बाद कम नहीं हो रहीं मुसीबतें, पुल ढहने के मामले में अबतक 59 की मौत

हनोई। वियतनाम में तूफान 'यागी' के कारण आई बाढ़ से सोमवार को एक पुल ढह गया, जिसकी वजह से बस बह गई। देश के उत्तरी क्षेत्र में कम से कम 59 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। वियतनामी अधिकारियों द्वारा पिछले दशक में इस क्षेत्र में आए सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक माने जा रहे 'यागी' के कारण उत्तरी वियतनाम में 30 लाख से अधिक लोग बिना बिजली के रहने को मजबूर हैं।

नौ और लोगों की मौत

देश में शनिवार को आए तूफान के कारण नौ लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद आई बाढ़ और भूस्खलन के कारण 50 लोगों की मौत हो गई थी। उत्तरी वियतनाम में कई नदियों का जल स्तर खतरनाक स्तर से ऊपर था।

एक यात्री बस बाढ़ में बही

पहाड़ी काओ बांग प्रांत में सोमवार सुबह भूस्खलन से 20 लोगों को लेकर जा रही एक यात्री बस बाढ़ में बह गई। बचावकर्मियों को तैनात किया गया था, लेकिन भूस्खलन ने उस रास्ते को अवरुद्ध कर दिया जहां घटना हुई थी। फु थो प्रांत में सोमवार सुबह लाल नदी पर बने एक स्टील के पुल के ढह जाने के बाद बचाव अभियान जारी है। खबरों में कहा गया है कि दो मोटरसाइकिलों के साथ–साथ 10 कारें और ट्रक भी नदी में गिर गए। तीन लोगों को नदी से बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया, लेकिन 13 अन्य लापता थे।

शख्स ने सुनाई आपबीती

50 वर्षीय फाम ट्रूंग सोन ने बताया कि वह अपनी मोटरसाइकिल से पुल से गुजर रहे थे, तभी जोरदार आवाज सुनी। इससे पहले वह कुछ

समझ पाते कि क्या हो रहा वह नदी में जा गिरे। उन्होंने कहा कि उन्हें लगा था कि वह नदी डूब गए और अब नहीं बचेंगे। हालांकि, वह तैरना जानते थे इसलिए तैरते और बहते हुए एक केले के पेड़ से जा टकराए। उन्होंने कहा कि जब तक बचावकर्मी नहीं पहुंचे तबतक मैं वही पेड़ पकड़े खड़ा रहा।

दशकों में सबसे शक्तिशाली तूफान यागी

वियतनाम में 149 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाला यागी तूफान दशकों में सबसे शक्तिशाली तूफान था। रविवार को यह कमजोर होकर उष्णकटिबंधीय दबाव में बदल गया, लेकिन देश की मौसम विज्ञान एजेंसी ने अभी भी चेतावनी दी है कि लगातार बारिश से बाढ़ और भूस्खलन हो सकता है। चावल के खेतों और पहाड़ों के लिए मशहूर लोकप्रिय ट्रेकिंग बेस सा पा शहर में रविवार को भूस्खलन में एक शिशु सहित छह लोगों की मौत हो गई थी और नौ अन्य घायल हो गए थे। कुल मिलाकर, राज्य मीडिया ने सप्ताहांत से 21 मौतों और कम से कम 299 लोगों के घायल होने की सूचना दी।

उखड़े हुए पेड़ों, गिरे हुए होर्डिंग और बिजली के खंभों को साफ किया

राजधानी हनोई में आसमान में बादल छाए हुए थे और सोमवार सुबह बारिश हुई और श्रमिकों ने उखड़े हुए पेड़ों, गिरे हुए होर्डिंग और बिजली के खंभों को साफ किया। उत्तर–पश्चिमी वियतनाम में भारी बारिश जारी है और पूर्वानुमानकर्ताओं ने कहा कि यह स्थानों में 40 सेंटीमीटर (15 इंच) से अधिक हो सकता है। शुरुआत में क्वांग निन्ह और हैफोंग प्रांतों में कम से कम 30 लाख लोगों को बिना बिजली के रहना पड़ा था और यह स्पष्ट नहीं है कि कितनी बिजली बहाल की गई है।

संक्षिप्त

महाराजा चार्ल्स ने महारानी एलिजाबेथ की पुण्यतिथि पर गिरजाघर में प्रार्थना की

महाराजा चार्ल्स तृतीय ने अपनी मां महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को स्कॉटलैंड के रॉयल बाल्मोरल एस्टेट के पास गिरजाघर में प्रार्थना की। चार्ल्स (75) और उनकी पत्नी कैमिला गर्मियों की छुट्टियां स्कॉटिश हाइलैंड्स में बिता रहे हैं, जहां दिवंगत महारानी का

आठ सितंबर, 2022 को 96 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। चार्ल्स और कैमिला को महारानी की दूसरी बरसी पर क्रैथी किर्क के छोटे से ग्रेनाइट गिरजाघर में रविवार को सुबह की प्रार्थना के लिए आते देखा गया। चार्ल्स अपनी मां की मृत्यु के बाद दो वर्ष पहले राजगद्दी पर बैठे थे।

नाइजीरिया में ईंधन टैंकर और ट्रक की टक्कर में 48 लोगों की मौत

नाइजीरिया में रविवार को एक ईंधन टैंकर एक ट्रक से टकरा गया, जिससे हुए विस्फोट में कम से कम 48 लोगों की मौत हो गई। देश की आपातकालीन सेवा एजेंसी ने यह जानकारी दी। नाइजर राज्य आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के महानिदेशक अब्दुल्लाही बाबा–अरब ने बताया कि ईंधन टैंकर उत्तर–मध्य नाइजर राज्य के अगाई क्षेत्र में मवेशियों को भी ले जा रहा था जिससे कम से कम 50 मवेशी भी जिंदा जल गए। बाबा–अरब ने कहा कि दुर्घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर 'शिक्षा आपातकाल' की घोषणा की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर देश में स्कूलों से वंचित 2.60 करोड़ बच्चों को शिक्षित करने के इरादे से 'शिक्षा आपातकाल' की घोषणा की। सरकारी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान की खबर के मुताबिक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस कदम की घोषणा की और निजी क्षेत्र तथा नागरिक संगठनों से सरकार का सहयोग करने का आग्रह किया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) नेता शहबाज (72) ने शिक्षा एजेंडे को आगे बढ़ाने तथा सूचना के मामले में सबल एवं टिकाऊ राष्ट्र के लिए प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा,

''हमने पूरे देश में शैक्षिक आपातकाल घोषित कर दिया है, छात्रों के लिए नामांकन अभियान शुरू किया है और स्कूलों में बच्चों के लिए मध्याह्न भोजन शुरू किया गया है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि साक्षरता एक मौलिक मानवीय और संवैधानिक अधिकार है जो हमारे देश के भविष्य की गारंटी देता है। उन्होंने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ने और लिखने की क्षमता नहीं है, बल्कि यह ''सशक्तीकरण, आर्थिक अवसरों और समाज में सक्रिय भागीदारी का प्रवेश द्वार'' है। इससे पहले मई में भी शहबाज शरीफ ने शिक्षा आपातकाल की घोषणा की थी और स्कूल न जाने वाले लगभग 2.60 करोड़ बच्चों को दाखिला दिलाने का संकल्प लिया था। संयुक्त राष्ट्र के निकाय यूनेस्को ने रेखांकित किया है कि विकासशील देशों में चार में से तीन बच्चे 10 वर्ष की आयु तक बुनियादी पाठ्य सामग्री को पढ़ या समझ नहीं सकते हैं, तथा विश्वभर में अब भी 75.4 करोड़ वयस्क निरक्षर हैं, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं।

आईएसआईएस ने इस मुस्लिम देश में रची पोप फ्रांसिस के हत्या की साजिश, सुरक्षा एजेंसियों के उड़े होश!

पोप फ्रांसिस की सबसे लंबी यात्रा जारी है। इसका उद्देश्य मुस्लिम बहुल इंडोनेशिया में धार्मिक सद्भाव का जश्न मनाना है। दक्षिण पूर्व एशिया और दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के चार देशों की 12 दिवसीय मैराथन यात्रा शुरू करने वाले पोप फ्रांसिस की हत्या की साजिश को लेकर बड़ी कार्रवाई हुई है। इंडोनेशिया की पुलिस ने पोप फ्रांसिस पर हमले की विफल साजिश से संबंधित मामले में सात लोगों को हिरासत में लिया है। द स्ट्रेट्स टाइम्स के अनुसार, बंदियों को जकार्ता, बोगोर और बेकासी के बाहरी

शहरों, पश्चिम सुमात्रा प्रांत और बंगका बेलितुंग द्वीप प्रांत में गिरफ्तार किया गया। जांच जारी है, और यह स्पष्ट नहीं है कि हिरासत में लिए गए लोग एक ही आतंकी सेल से जुड़े हैं या उसका हिस्सा हैं। सिंगापुर ने पोप फ्रांसिस की यात्रा के मद्देनजर क्षेत्र में सुरक्षा और कड़ी किए जाने का हवाला देते हुए आव्रजन प्रवेश बिन्दुओं पर जांच बढ़ा दी है। 'इमीग्रेशन एंड चेकप्वाइंट्स अथॉरिटी' (आईसीए) ने एक पोस्ट में कहा कि भूमि, हवाई और समुद्री मार्ग से आ रहे यात्रियों को नाकों पर बढ़ायी गयी सुरक्षा जांच से गुजरना होगा और आव्रजन मंजूरी के लिए अतिरिक्त समय देना होगा। पोप फ्रांसिस ईस्ट तिमोर को उसके खूनी तथा दर्दनाक अतीत से उबरने के लिए प्रोत्साहित करने तथा इंडोनेशियाई शासन से आजादी के दो दशकों बाद उसके विकास का जश्न मनाने के लिए सोमवार को इस दक्षिण पूर्व एशियाई देश में पहुंचे। पोप फ्रांसिस दक्षिणपूर्व एशिया और ओशिनिया की अपनी यात्रा के तीसरे चरण में पापुआ न्यू गिनी से दिली पहुंचे। वह तिमोर के नेताओं और राजनयिकों से मुलाकात करेंगे। दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक, कैथोलिक बहुल ईस्ट तिमोर पोप के आगमन का बेसब्री से इंतजार कर रहा था।

पीओके को भारत सरकार का बड़ा ऑफर! 53 साल पहले जो हुआ वो अब पाकिस्तान में दोहराया जाएगा?

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जम्मू कश्मीर के रामबन इलाके में खड़े होकर सीधे पीओके की जनता को मैसेज दिया है। राजनाथ सिंह ने कहा है कि पीओके के लोगों को पाकिस्तान को छोड़कर भारत के साथ चले आना चाहिए। उन्होंने पीओके के निवासियों से कहा कि हम आपको अपना मानते हैं, जबकि पाकिस्तान आपको विदेशी मानता है। पाकिस्तान के लोग आपको फॉरेनर मानते हैं, लेकिन भारत के लोग आपको विदेशी नहीं मानते हैं। आइए हमारे साथ आइए। राजनाथ सिंह की बातों का साफ मतलब है कि पाकिस्तान के लोग पीओके को अपना नहीं मानते, लेकिन यहां के 140 करोड़ लोग पीओके को अपना अभिन्न हिस्सा मानते हैं। इसलिए पीओके के लोगों को अब आ जाना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से इस्लामाबाद में पीओके के लोगों का धरना प्रदर्शन देखने को मिला है। लेकिन अब विरोध प्रदर्शन नहीं बल्कि

आखिरी फैसला करने का वक्त है। राजनाथ सिंह के बयान का सीधा मतलब है कि पीओके के लोगों को खुद ही जंग की शुरुआत करनी होगी और फिर बाद में भारत की मदद मिलेगी। 53 साल पहले बांग्लादेश में भी ऐसा ही हुआ था। तब बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान हुआ करता था। तब मुक्ति वाहिनी ने पूर्वी पाकिस्तान को आजाद करने के लिए वहां की सेना के खिलाफ युद्ध किया था। बाद में भारतीय सेना की मदद से उनकी आजादी की जंग मंजिल तक पहुंच गई। फिर बांग्लादेश का जन्म हुआ। संभव है कि 2024 में पाकिस्तान की सड़कों पर 1971 के बांग्लादेश जैसी तस्वीरें दिखाई दे। लेकिन इतना साफ है कि पीओके के सुनहरे भविष्य का फैसला वहां के लोगों को ही करना होगा। केंद्रीय मंत्री ने अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के बाद जम्मू–कश्मीर की सुरक्षा स्थिति में बड़े बदलाव का स्वागत किया और कहा कि युवाओं के पास अब पिस्तौल व रिवॉल्वर के बजाय लैपटॉप और कम्प्यूटर हैं। उन्होंने कहा कि अब कोई भी श्रीनगर में लोगों पर गोलियां चलाने की हिम्मत नहीं करता। रक्षा मंत्री ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में अगली सरकार बनाने के लिए भाजपा का समर्थन करें, ताकि हम क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विकास ला सकें।

नाटू नाटू अंदाज में कमला हैरिस का समर्थन, मजेदार वीडियो वायरल

गाना, ''नाटू नाटू'', बॉलीवुड गायिका शिबानी कश्यप द्वारा प्रस्तुत किया गया है और रितेश पारिख और उनकी रचनात्मक टीम द्वारा निर्मित है। राष्ट्रपति पद के लिए हैरिस के लिए राष्ट्रीय वित्त समिति के सदस्य अजय जैन भूटोरिया के दिमाग की उपज है ष्नाचो नाचोश सिर्फ नहीं है एक गीत, यह एक आंदोलन है। इस अभियान का उद्देश्य युद्ध के मैदानों और प्रमुख जिलों में

विविध दक्षिण एशियाई–अमेरिकी समुदाय से जुड़ना है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद का जो रसूख दुनियाभर में है। वैसे दुनिया में किसी और का नहीं होता। यही वजह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति को दुनिया के सबसे ताकतवर लोगों में शुमार किया जाता है। राष्ट्रपति चुनाव में कुछ महीने शेष रह गए हैं ऐसे में चुनाव अभियान भी जोर पकड़ता जा रहा है। कैंपेन के लिए कई क्रिएटिव और अनूठे तरीके भी अपनाए जा रहे हैं। इसी क्रम में वोटरों को लुभाने के लिए बॉलीवुड की म्यूजिक पावर का यूज कर भारतीय–अमेरिकी उद्यमी और डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए एक प्रमुख फेड रेजर ने 5 नवंबर के चुनाव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को वोट देने के लिए प्रमुख युद्ध के मैदानों में दक्षिण एशियाई लोगों को जुटाने के लिए एक संगीत वीडियो जारी किया है। गाना, ष्नाटू नाटूष् बॉलीवुड गायिका शिबानी कश्यप द्वारा प्रस्तुत किया गया है और रितेश पारिख और उनकी रचनात्मक टीम द्वारा निर्मित है। राष्ट्रपति पद के लिए हैरिस के लिए राष्ट्रीय वित्त समिति के सदस्य अजय जैन भूटोरिया के दिमाग की उपज है ष्नाचो नाचोश सिर्फ नहीं है एक गीत, यह एक आंदोलन है। इस अभियान का उद्देश्य युद्ध के मैदानों और प्रमुख जिलों में विविध दक्षिण एशियाई–अमेरिकी समुदाय से जुड़ना है। 4.4 मिलियन से अधिक भारतीय–अमेरिकी और 6 मिलियन दक्षिण एशियाई लोग मतदान करने के पात्र हैं, हमारा लक्ष्य उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को 2024 में जीत दिलाने में मदद करना है। ऑसम टीवी के संस्थापक पारिख ने कहा कि बॉलीवुड हमेशा बाधाओं को तोड़ने और हमें एकजुट करने वाली कहानियां बताने के बारे में रहा है। कमला हैरिस उसी दृष्टिकोण का प्रतीक हैं। लोगों को एक साथ लाना और एक ऐसे भविष्य का समर्थन करना जहां विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उनकी यात्रा एक है कहानी जिस पर हम सभी विश्वास करते हैं। भूटोरिया ने कहा कि गीत और नृत्य की चाल समुदाय की उत्सव की भावना को दर्शाती है और हैरिस को वोट देने के लिए एक मजबूत संदेश देती है। उन्होंने कहा कि 2020 में हमने दक्षिण एशियाई और अफ्रीकी–अमेरिकी मूल की पहली महिला को उपराष्ट्रपति के रूप में चुनकर इतिहास रचा। उन्होंने हैरिस और उनके उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वाल्ज़ के लिए मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए और अधिक बॉलीवुड–प्रेरित संगीत वीडियो जारी करने की योजना बनाई है।

Houthi विद्रोहियों ने अमेरिका के एक और एमक्यू–9 ड्रोन को मार गिराने का दावा किया

दुबई । यमन के हूती विद्रोहियों ने देश की वायु सीमा में उड़ रहे अमेरिका के एक और एमक्यू–9 निगरानी ड्रोन को रविवार तड़के मार गिराने का दावा किया। उन्होंने कहा

कि इस कार्रवाई के जवाब में अमेरिका ने हूती नियंत्रित इलाकों में हवाई हमले किए। वहीं, अमेरिकी सेना ने 'एसोसिएटेड प्रेस' से कहा कि वह इस दावे से अवगत है, लेकिन उसे यमन में अमेरिकी सैन्य ड्रोन को गिराए जाने के संबंध में "कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।" हूती विद्रोहियों ने अपने दावे के समर्थन में कोई तस्वीर या वीडियो जारी नहीं किया। लेकिन 2014 में यमन की राजधानी सना पर कब्जे के बाद हूती विद्रोहियों ने बड़ी संख्या में एमक्यू–9 ड्रोन मार गिराए हैं। गाजा पट्टी में पिछले साल इजराइल और हमास के बीच युद्ध छिड़ने के बाद हूती विद्रोहियों ने अमेरिकी ड्रोन पर हमले तेज करने के साथ ही लाल सागर गलियारा में जहाजों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। 7 अक्टूबर 2023 के बाद से वे क्षेत्र में कम से कम 80 हजारों पर ड्रोन और मिसाइल से हमले कर चुके हैं। हूती सेना के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने एक वीडियो में अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने का दावा किया। उन्होंने कहा कि हूती लड़ाकों ने यमन के मारिब प्रांत में उड़ रहे ड्रोन को मार गिराया। मारिब को उसके तेल और प्राकृतिक गैस भंडार के लिए जाना जाता है। इस प्रांत पर सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन बलों का नियंत्रण है, जो 2015 से विद्रोहियों से लड़ाई लड़ रहे हैं। सरी ने हमले के संबंध में कोई विवरण नहीं दिया। उन्होंने कहा कि हूती विद्रोही "अत्याचार के शिकार फलस्तीनियों की जीत और यमन की रक्षा के लिए अपने जिहादी कर्तव्यों का पालन करना जारी रखेंगे।" एक एमक्यू–9 ड्रोन की कीमत लगभग तीन करोड़ डॉलर होती है। यह ड्रोन 50 हजार फुट तक की ऊंचाई पर लगातार 24 घंटे तक उड़ान भर सकता है।

इस्राइल के पूर्व सेना प्रमुख ने नेतन्याहू को दी चेतावनी, कहा– हिजबुल्ला, लेबनानी सीमा की ओर दें ध्यान

यरुशलम। हमास और इस्राइल बीते 11 महीने से जंग लड़ रहे हैं। इस्राइल द्वारा हमास को खत्म करने का संकल्प गाजा पट्टी के लोगों पर भारी पड़ रहा है। वहीं, हमास भी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। इन सबके बीच, इस्राइली युद्ध कैबिनेट के पूर्व सदस्य बेनी गैंट्ज ने चेतावनी दी कि इस्राइल को हिजबुल्ला और लेबनानी सीमा की ओर ध्यान देना चाहिए। यहां पहले ही देर हो चुकी है। दरअसल, साल 2011 में सीरिया में गृह युद्ध की शुरुआत के बाद से इस्राइल और ईरानी समर्थक समूह आए दिन एक दूसरे को निशाना बना रहे हैं। इस पर लेबनानी समूह का कहना है कि वह गाजा में चल रहे युद्ध में अपने सहयोगी हमास के समर्थन में काम कर रहा है। बेनी गैंट्ज ने कहा कि हमारे पास गाजा में निपटने के लिए पर्याप्त सैनिक हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।